Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 130 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शुक्रवार 08 नवम्बर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

धर्म का बात ना मानो, परंतु धर्म की आड़ में छिपकर पाप मत करो।

You may not follow religion, but don't commits sins in disguise of religion.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने ट्रंप को दी बधाई, कहा- रचनात्मक तरीके से करेंगे काम

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने विश्व संगठन के मुखर आलोचक डोनाल्ड ट्रंप को फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित किए जाने पर बधाई दी है। साथ ही कहा है कि संयुक्त राष्ट्र उनके प्रशासन के साथ रचनात्मक रूप से काम करने के लिए तैयार है।

उन्होंने अपने संदेश में कहा, मैं अपने पूरे भरोसे के साथ कहता हूं कि संयुक्त राज्य अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र के बीच सहयोग अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का एक आवश्यक स्तंभ है। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र आगामी अमेरिकी प्रशासन संग रचनात्मक रूप से काम करने के लिए तैयार है ताकि हम दुनिया के सामने आने वाली चुनौतियों का मिलकर समाधान निकाल सकें। उन्होंने आगे कहा, मैं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के लोगों की सराहना करता हूं। बहुपक्षवाद और जलवायु परिवर्तन दोनों को लेकर ट्रंप की सोच यूएन से मेल नहीं खाती। यही कारण है कि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और यूनेस्को के तत्वावधान में हुए पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया। गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने महासचिव और ट्रंप के बीच मतभेदों की बातों को दरकिनार करते हुए कहा कि उनके बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। दुजारिक ने कहा, यह तथ्य कि कई मुद्दों पर उनकी राय अलग-अलग थी, स्पष्ट है। मुझे लगता है कि महासचिव ने अपनी राय व्यक्त कर दी है। अमेरिकी प्रशासन (ट्रंप के नेतृत्व में) की अपनी नीतियां थीं। इसने महासचिव को संयुक्त राज्य सरकार के साथ बातचीत करने से नहीं रोका, जैसा कि पिछले सभी महासचिवों ने किया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने की प्रधानमंत्री मोदी की जमकर तारीफ

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 2024 में शानदार जीत के बाद डोनाल्ड ट्रंप को दुनियाभर के नेताओं और हस्तियों से बधाई संदेश मिल रहे हैं। ऐसे में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया के उन पहले नेताओं में हैं जिन्होंने फोन कॉल कर के डोनाल्ड ट्रंप को जीत की बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने बीती रात एक्स पर जानकारी दी थी कि उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत की। पीएम मोदी ने लिखा- मेरे मित्र राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई उन्हें उनकी शानदार जीत पर बधाई दी। प्रौद्योगिकी, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष और कई अन्य क्षेत्रों में भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूत करने एक बार फिर साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हूं। सूत्रों के हवाले से जानकारी दी है कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी के साथ बातचीत में कहा कि पूरी दुनिया पीएम मोदी को प्यार करती है। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की भी जमकर तारीफ की। ट्रंप ने कहा कि भारत एक शानदार देश है और पीएम मोदी एक शानदार व्यक्ति हैं।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव-2024 : आदिमजाति विभाग की प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की प्रशंसा

आम लोगों में विभाग की स्टॉल बनी विशेष आकर्षण का केन्द्र

जनजातीय गौरव- शौर्य और संस्कृति का बखान थीम पर केन्द्रित था स्टॉल

रायपुर (विश्व परिवार)। अटल नगर नवा रायपुर स्थित पंडित श्यामाप्रसाद मुखर्जी व्यावसायिक परिसर में आयोजित 24 वां राज्योत्सव में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की स्टॉल लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा है। राज्योत्सव प्रारंभ होने के साथ ही लोगों की भारी भीड़ आदिम जाति विकास विभाग की स्टॉल पर देखने को मिला। वहीं दूसरे दिन मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भी विभागीय स्टॉल का अवलोकन कर प्रशंसा की। इस दौरान उन्होंने स्टॉल में बनाए गए सेल्फी जोन में परिवार संग एक फोटो भी खिचवाई। प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने उनका अभिवादन करते हुए उन्हें प्रदर्शनी के थीम के बारे में विस्तार से बताया।

उल्लेखनीय है कि विभागीय मंत्री श्री रामविचार नेताम के निर्देश के अनुसार इस बार की झांकी ''जनजातीय गौरव शौर्य और संस्कृति का बखान'' थीम पर बनाई गई थी। प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा एवं सचिव सह आयुक्त श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा स्वयं पूरे स्टॉल की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। स्टॉल की खूबसूरती, जनजातीय शौर्य एवं जनजातीय संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन के कारण प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग इसे देखने पहुंच रहे थें।

स्टॉल में स्वतंत्रता काल के दौरान छत्तीसगढ़ में हुए जनजातीय विद्रोहों की एक झलक दिखाई गई है, जो कि जनजातीय शौर्य को दर्शाती है। साथ ही जनजातीय समृद्ध संस्कृति को भी झांकी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इसके अलावा जनजातियों के परंपरागत आभूषणों एवं विभागीय योजनाओं को भी फ्लैक्स के माध्यम से बखूबी प्रदर्शित किया गया। साथ ही आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा जनजातीय क्षेत्र में किए गए शोध प्रकाशन को भी अवलोकन हेतु प्रदर्शित किया गया। आमजन को आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा चलाई जा रही विभागीय गतिविधियों की जानकारी देने के लिए विभागीय योजनाओं का ब्रोशर भी स्टॉल से उपलब्ध कराया गया। स्टॉल पर जनजातीय गौरव दिवस तथा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान को सेल्फी जोन के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। स्टॉल में आने वाले लोग उक्त सेल्फी जोन अंतर्गत लिखी हुई जानकारी से अभियान की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय आज बलौदाबाजार, कटघोरा और रायपुर में आयोजित कार्यक्रमों में होंगे शामिल

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 8 नवम्बर को बलौदाबाजार, कोरबा जिले के कटघोरा और राजधानी रायपुर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूर्वान्ह 11:05 बजे पुलिस ग्राउण्ड हेलीपेड रायपुर से हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर 11:25 बजे बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के शासकीय डी.के. महाविद्यालय मैदान पहुंचेंगे और 11:30 बजे दशहरा मैदान में आयोजित विभिन्न विकास कार्यो के भूमिपूजन एवं लोकार्पण एवं दीपावली मिलन कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री बलौदाबाजार से दोपहर 12.35 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर 1.05 बजे कोरबा जिले के कटघोरा के मेला ग्राउण्ड हेलीपेड पहुंचेंगे और वहां प्रांत स्तरीय भगवान सहस्त्रबाहु जयंती कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अपरान्ह 3.15 बजे रायपुर लौट आएंगे। मुख्यमंत्री श्री साय शाम 5 बजे रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित इंडियन रोड कांग्रेस के 83वें वार्षिक अधिवेशन में शामिल होंगे।

ओआरओपी के एक साल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बोले- लाखों पेंशनधारकों को हुआ लाभ

नईदिल्ली (आरएनएस)। आज के ही दिन 10 साल पहले केंद्र की मोदी सरकार ने वन रैंक वन पेंशन(ओआरओपी) लागू की थी। पीएम ने इस ऐतिहासिक दिन को याद करते हुए बताया कि लाखों पेंशनधारकों को फायदा पहुंचा है।

आज इसे लागू हुए पूरे 10 साल हो चुके हैं। वन रैंक वन पेंशन को लेकर गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा, इस दिन वन रैंक वन पेंशन लागू किया गया। यह हमारे दिग्गजों और भूतपूर्व सैन्यकर्मियों के साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि थी। जिन्होंने हमारे देश की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इसे लागू करने का निर्णय लंबे समय से चली आ रही मांग को संबोधित करने और हमारे नायकों के प्रति हमारे राष्ट्र की कृतज्ञता की पुष्टि करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। आप सभी को यह जानकर खुशी होगी कि पिछले एक दशक में लाखों पेंशन धारकों और उनके परिवारों को इस ऐतिहासिक पहल से लाभ मिला है। संख्याओं से परे, ओआरओपी हमारे सशस्त्र बलों की भलाई के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है। हम हमेशा अपने सशस्त्र बलों को मजबूत करने और हमारी सेवा करने वालों के कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सशस्त्र सेनाओं के प्रति नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। उनके नेतृत्व में सरकार सैनिकों और उनके परिवारों की देखभाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। ओआरओपी के क्रियान्वयन से 25 लाख से अधिक भूतपूर्व सैनिकों को लाभ मिला है।

केन्द्रीय मंत्री गडकरी आज रायपुर में आयोजित इंडियन रोड कांग्रेस के 83वें वार्षिक अधिवेशन में होंगे शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी 08 नवम्बर को शाम 05 बजे राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित इंडियन रोड कांग्रेस के 83वें वार्षिक अधिवेशन में शामिल होंगे। केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी अपरान्ह 3.45 बजे गोंदिया से विमान द्वारा रवाना होकर शाम 4.15 बजे स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर पहुंचेंगे और शाम 5 बजे साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित इंडियन रोड कांग्रेस के 83वें वार्षिक अधिवेशन में शामिल होंगे। श्री गडकरी स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से रात्रि 7.15 बजे नागपुर के लिए रवाना होंगे।

सीएम विष्णुदेव साय ने पूर्व राज्यसभा सांसद स्वर्गीय गोपाल व्यास के अंतिम दर्शन में शामिल होकर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

कहा- गृहस्थ रहते हुए भी महान संत थे श्री गोपाल व्यास, उनका जाना अपूरणीय क्षति

स्वर्गीय व्यास के मंशानुरूप उनका पार्थिव शरीर एम्स को किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। पूर्व राज्यसभा सांसद एवं प्रख्यात समाजसेवी श्री श्रीगोपाल व्यास को आज राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। उनके निधन के बाद रायपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स रायपुर में उनके पार्थिव शरीर को चिकित्सा अनुसंधान और शिक्षा के लिए उनकी इच्छा के अनुरूप दान किया गया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज पूर्व राज्यसभा सांसद श्री श्रीगोपाल व्यास को उनके निवास में पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। एम्स परिसर में पूर्व राज्यपाल रमेश बैस ने पूर्व सांसद श्रीगोपाल व्यास को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, विधायक विक्रम उसेंडी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा श्री व्यास छत्तीसगढ़ राजनीति के पुरोधाओं में एक थे। वे 2006 से 2012 तक छत्तीसगढ़ राज्य से राज्यसभा सांसद रहे। श्री व्यास जी गृहस्थ रहते हुए भी महान संत थे। उनकी सरलता और सादगी ने सभी को प्रभावित किया। यह मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला। उन्होंने सदैव देश व समाज हित में कार्य किया। यह देश एवं प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने व्यास जी के साथ बिताए दिनों को याद करते हुए कहा कि मुझे अनेक अवसरों पर उनके साथ कार्यक्रमों में शामिल होने का मौका मिला। सामान्यत: किसी कार्यक्रम का शुभारंभ हम फीता काट कर करते हैं, लेकिन व्यास जी कहते थे कि मुझे यह व्यक्तिगत रूप से अच्छा नहीं लगता। हमारा काम काटने का नहीं बल्कि जोड़ने का है।

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के तहत मेधावी छात्रों को मिलेगा एजुकेशन लोन

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा पीएम विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दिए जाने की सराहना की है। यह योजना केंद्रीय क्षेत्र के तहत मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने योजना को लेकर जानकारी देते हुए कहा कि पीएम विद्यालक्ष्मी योजना भारत के प्रतिभाशाली युवाओं के लिए 21वीं सदी की उच्च शिक्षा तक पहुंच को यूनिवर्सल बनाने में मददगार होगी। उन्होंने आगे कहा, 3,600 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ यह योजना उच्च शिक्षा में आने वाली बाधाओं को दूर करेगी और देश की युवा शक्ति को अपने सपनों को पूरा करने में सक्षम बनाएगी। पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के तहत जमानत-मुक्त और गारंटर-मुक्त एजुकेशन लोन से मेधावी छात्रों के लिए उच्च शिक्षा तक पहुंच को आसान बनाया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि वित्तीय बाधाएं छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने से न रोकें।

पंचतत्व में विलीन हुई स्वर कोकिला शारदा सिन्हा, बेटे ने दी मुखाग्नि

पटना (आरएनएस)। पटना के गुलबी घाट पर गुरुवार को मशहूर लोकगायिका शारदा सिन्हा पंचतत्व में विलीन हो गईं। सुबह करीब 10.30 बजे पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। बेटे अंशुमन सिन्हा ने मुखाग्नि दी। इस दौरान घाट पर शारदा सिन्हा अमर रहें और जय छठी मईया के जयकारे भी गूंजते रहे। अंतिम संस्कार के दौरान मौजूद लोगों की आंखों में आंसू थे। इस दौरान स्थानीय लोगों के साथ राजनेता और शारदा सिन्हा के परिवार के लोग भी मौजूद थे।

सुबह करीब पौने नौ बजे राजेंद्र नगर स्थित उनके आवास से अंतिम यात्रा निकली। बेटे अंशुमन ने मां की अर्थी को कंधा दिया। उनके साथ बीजेपी के पूर्व सांसद रामकृपाल यादव, विधायक संजीव चौरसिया भी दिखे।

शाहरुख खान को जान से मारने की मिली धमकी, मुंबई पुलिस का पहुंची रायपुर

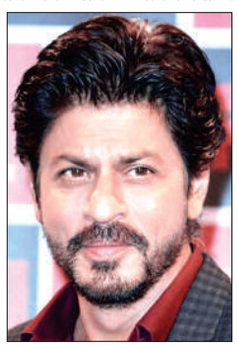

रायपुर (विश्व परिवार)। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के बाद अब शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी मिली है। शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी देने का मामला छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से जुड़ा है। मुंबई पुलिस ने इस मामले में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से जिस आरोपी फैजान को हिरासत में लिया, उसे कुछ ही घंटो बाद छोड़ना पड़ा। दरअसल फैजान ने पुलिस को बताया कि उसका मोबाइल कुछ दिन पहले खो गया था। पुलिस ने बीएनएस की धारा 308 4, 351 3 4, के तहत शिकायत दर्ज की है। मिली जानकारी के अनुसार ताबिक, एक्टर की सुरक्षा में तैनात एक पुलिसकर्मी को 5 नवंबर को किसी शख्स ने फोन कर धमकी दी। धमकाने वाले ने शाहरुख से 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। इसके बाद मुंबई पुलिस ने बांद्रा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। हालांकि, जिस नंबर से धमकी दी गई थी, वह बार-बार स्वीच ऑफ आ रहा था। ऐसे में पुलिस ने मोबाइल का लोकेशन ट्रेस किया। इसकी जानकारी जुटाई। मुंबई पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला कि फोन रायपुर से किया गया था। जिस नंबर से धमकी दी गई थी वह रायपुर के फैजान नाम के किसी शख्स के नाम से रजिस्टर्ड था। इसके बाद मुंबई पुलिस की एक टीम गुरुवार को रायपुर पहुंची। यहां पर आरोपी को हिरासत में ले लिया गया। मुंबई पुलिस की टीम ने आरोपी से पंडरी थाने में पूछताछ की। पूछताछ में उसने बताया कि उसका मोबाइल फोन खो गया था। इससे जुड़े दस्तावेज पुलिस को सौंपे। आखिरकार करीब दो घंटे की पूछताछ के बाद मुंबई पुलिस ने आरोपी को चेतावनी देकर छोड़ दिया। इस धमकी के बाद माना जा रहा है कि शाहरुख खान की सुरक्षा में भी इजाफा किया जा सकता है। शाहरुख के बांद्रा स्थित घर %मन्नत% के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कुछ दिनों पहले ही पुलिस ने मन्नत के बाहर बैरिकेड लगाए थे। शाहरुख अपने बॉडीगार्ड के साथ हर जगह जाते हैं। अब शाहरुख खान को ज्यादा सुरक्षा देने पर भी विचार किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

कानून अपना काम करेगा, अमेज़न और फ्लिपकार्ट पर ईडी की छापेमारी पर कैट का बयान : अमर पारवानी

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्र सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि भारत एक सशक्त लोकतांत्रिक देश है, जो कानून और संविधान द्वारा शासित है। किसी को भी इन कानूनों का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। कन्फ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) और अन्य व्यापारिक संगठनों ने पिछले कुछ वर्षों से इन मुद्दों को उठाया है। कैट प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई का स्वागत करता है, जो सही दिशा में उठाया गया कदम है। इससे पहले, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने भी अमेज़न, फ्लिपकार्ट और उनके पसंदीदा विक्रेताओं को छोटे व्यापारियों और किराना दुकानों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के लिए जुर्माने का नोटिस जारी किया था। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी और प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेन्द्र दोशी ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में नए भारत में, कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। हमें उम्मीद है कि अब कानून अपना सही कार्य करेगा और छोटे दुकानदारों की आजीविका की रक्षा करेगा। यह सरकार इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि किसी भी संस्था को व्यापारिक समुदाय को नुकसान पहुँचाने की अनुमति न दी जाए। विदेशी निवेश नियमों के उल्लंघन और क्विक कॉमर्स कंपनियों जैसे ब्लिंकिट, स्विगी और ज़ेप्टो द्वारा अपनाए गए प्रतिस्पर्धा-विरोधी उपायों के संबंध में व्यापारिक समुदाय द्वारा दर्ज की गई अनेक शिकायतों के जवाब में, हम सीसीआई और ईडी से अपील करते हैं कि वे तेजी से कार्रवाई करें, ताकि छोटे व्यापारियों के व्यवसाय को और अधिक अपूरणीय क्षति से बचाया जा सके।

एम्स रायपुर ने छत्तीसगढ़ के पहले उच्च सुरक्षा BSL-3 वायरोलॉजी लैब के लिए भूमिपूजन का आयोजन किया

रायपुर (विश्व परिवार)। एम्स रायपुर ने छत्तीसगढ़ के पहले जैव-सुरक्षा स्तर-3 (BSL-3) वायरोलॉजी लैब के भूमि पूजन के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। इस लैब को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) द्वारा मंजूरी प्रदान की गई है। इस कार्यक्रम का नेतृत्व एम्स रायपुर के कार्यकारी निदेशक और CEO लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने किया, जिन्होंने राज्य में वायरस अनुसंधान और डायग्नोस्टिक्स को आगे बढ़ाने में इस लैब की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। यह लैब माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा संचालित होगी और उन्नत वायरस अनुसंधान में सहयोग करेगी। विभागाध्यक्ष डॉ. अनु ?दिता भार्गव ने एंटीवायरल दवाओं के विकास में इसकी क्षमता को रेखांकित किया, वहीं लैब इंचार्ज प्रोफेसर डॉ. संजय नेगी ने सुरक्षित वातावरण में वायरस अनुसंधान के महत्व पर जोर दिया। इस परियोजना को भारत सरकार के एक प्रमुख उपक्रम, HLL लाइफकेयर लिमिटेड द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है, जो सुरक्षा और संचालन दक्षता के उच्चतम मानकों का पालन सुनिश्चित करता है। इसमें श्री रेजू स्कारिया और श्री साबरीनाथ जैसे प्रमुख अधिकारियों का योगदान महत्वपूर्ण रहा है।

महिला कृषक अदिति कश्यप साहस और मेहनत से बनीं प्रेरणा स्रोत

नवा रायपुर में आयोजित राज्योत्सव में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने श्रीमती अदिति कश्यप को किया सम्मानित

कबीरधाम की अदिति कश्यप को राज्य अलंकरण पुरस्कार वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी सम्मान से किया गया सम्मानित

अदिति कश्यप अद्वितीय पहल से महिला सशक्तिकरण की बनी मिसाल

कवर्धा (विश्व परिवार)। कबीरधाम जिले के कवर्धा विकासखंड के ग्राम पालीगुड़ा की रहने वाली महिला कृषक श्रीमती अदिति कश्यप को राज्य अलंकरण पुरस्कार वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी सम्मान से नवाजा गया है। यह सम्मान उन्हें उनके उत्कृष्ट कृषि कार्यों और प्रेरणादायक उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया है। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के अवसर पर 24वी वर्षगांठ पर नवा रायपुर में आयोजित राज्योत्सव में भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ द्वारा श्रीमती अदिति कश्यप को यह सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। राज्य स्तरीय इस सम्मान के लिए कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने जिलेवासियों की तरफ से श्रीमती अदिति कश्यप को बधाई और शुभकामनाएं दी है।

महिला कृषक अदिती कश्यप मूलतः कवर्धा विकासखण्ड के ग्राम पालीगुड़ा की निवासी है। अदिती कश्यप ने केवल 10वीं तक शिक्षा प्राप्त की है। अदिती कश्यप के पति पुलिस विभाग में कार्यरत है, जो वर्तमान में अम्बिकापुर में पदस्थ हैं। लेकिन पिछले 18 वर्षों से अकेले रहते हुए पालीगुड़ा खार रानीसागर के पास 15 एकड़ में खेती बाड़ी का काम स्वयं करती हैं। गृहणी होकर भी रोजाना खेत जाती हैं। फसलों में धान, चना, गेहूं, मक्का के अलावा उद्यानकी फसल भी लेती हैं। अदिती कश्यप ने पर्यावरण सुरक्षा में सहभागिता निभाने के लिए खेत के मेड़ों का सदुपयोग करते हुए नींबू, चीकू, आम, जामून, अमरूद, सीताफल, कटहल आदि फलदार वृक्ष रोपित किये हैं, जिससे पर्याप्त आमदनी होती है। अदिती कश्यप ने 1 एकड़ में 30 क्विंटल धान उत्पादन कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है, वह भी उस क्षेत्र में जहां पहले प्रति एकड़ केवल 11 क्विंटल धान उत्पादन होता था। अदिती कश्यप द्वारा बॉयर 6444 किस्म का श्री विधि से लगाई हुई धान के फसल की 135 दिन बाद कटाई हुई तो अदिती स्वयं अचंभित हो गई, इस पैदावार से प्रधानमंत्री भी प्रभावित हुए।

कर्नाटक में 2 जनवरी 2020 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा कृषि कर्मण्य पुरस्कार के साथ 2 लाख रूपये और प्रशस्तिपत्र से सम्मानित हुई, इसके साथ ही राज्य स्तरीय कई अवार्डों से सम्मानित हुईं। जब अदिती कश्यप ने खेती करना प्रारंभ किया तो लोग उनका मजाक उड़ाते थे, लेकिन खेती के प्रति उनका जूनून इस कदर था कि उन्हें आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक पाया, अपने खेती के बदौलत अदिती कश्यप ने ट्रैक्टर, ट्रॉली, रोटावेटर एवं अन्य कृषि उपकरण लिये हैं। अदिती कश्यप की 3 बेटियाँ हैं, जिनमें से दो डॉक्टर व एक फार्मासिस्ट हैं। अदिती कश्यप का कहना है कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है। महिलाएं भी पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर उनका साथ दे रहीं हैं, और एक नया आयाम हासिल कर रही हैं। आज स्थिती यह है, अदिती कश्यप अन्य महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिये एक प्रेरणा स्त्रोत है, जिससे प्रेरणा लेकर आस पास की हजारों महिलाएं और पुरुष किसान प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से अदिती कश्यप के साथ जुड़कर परामर्श एवं मार्गदर्शन लेकर अपना जीवन बदल रहे हैं। अदिति कश्यप का यह योगदान और साहस निश्चित ही सभी के लिए एक प्रेरणा है और यह सम्मान उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना और उनके साहस का प्रतीक है।

मुकेश एस. सिंह मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार से सम्मानित

मार्गदर्शकों, सहकर्मियों, शुभचिंतकों और मित्रों को समर्पित किया पुरस्कार

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के 24वें स्थापना दिवस पर वरिष्ठ पत्रकार मुकेश एस सिंह को मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार से सम्मानित, किया गया. यह गौरवशाली सम्मान उन्हें नया रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण समारोह के दौरान, राज्योत्सव-2024 के समापन दिवस पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार प्रदान किया गया हैं. इस समारोह में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और वरिष्ठ मंत्रिमंडल सदस्यों, विधायकों तथा छत्तीसगढ़ प्रशासन और पुलिस विभाग के शीर्ष अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुकेश एस सिंह ने कहा यह मेरे लिए अत्यंत गर्व और विनम्रता का क्षण है कि मैं यह महत्वपूर्ण उपलब्धि साझा कर रहा हूं. मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार (प्रिंट मीडिया-इंग्लिश) प्राप्त करना।

सहयोगियों का जताया आभार : उन्होंने कहा मैं इस पुरस्कार को अपने आदरणीय वरिष्ठों, मार्गदर्शकों, सहकर्मियों, शुभचिंतकों और मित्रों को समर्पित करता हूं। विशेष रूप से, यह सम्मान बाबा श्री काशी विश्वनाथ जी के आशीर्वाद और मेरे माता-पिता मेरी मां श्रीमती निर्मला सिंह और पिता श्री सुरेंद्र सिंह तथा मेरे पूरे परिवार के अटूट प्रेम और सहयोग का प्रतिफल है। छत्तीसगढ़ में द हितवाद के साथ 28 वर्षों की पत्रकारिता यात्रा के दौरान, इस उपलब्धि में योगदान देने वाले सभी व्यक्तियों के प्रति मेरी गहरी कृतज्ञता है। मैं विशेष रूप से हमारे प्रकाशक एवं महाप्रबंधक राजेंद्र पुरोहित, ग्रुप एडिटर विजय फणसकर, डिप्टी एडिटर राहुल दीक्षित, वर्तमान स्थानीय संपादक ई वी मुरली और मेरे पूर्व मुख्य संवाददाता एवं मार्गदर्शक आर कृष्ण दास तथा राजेंद्र महंती का धन्यवाद करता हूं। यह उपलब्धि सामूहिक प्रयास का परिणाम है, और मैं उन सभी का ऋणी हूं जिन्होंने इस यात्रा में मेरा साथ दिया।

शरद अग्रवाल इंटरटेनमेंट की प्रस्तुति पर दीपक श्रीवास के भजनों ने राज्योत्सव में मचाई धूम

राजिम (विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय गरियाबंद में 5 नवंबर को राज्योत्सव के मौके पर शरद अग्रवाल इंटरटेनमेंट की प्रस्तुति में मुख्य गायक दीपक श्रीवास में एक से बढ़कर एक भजनों पर तान छेडा। जिसे सुनकर जिले भर से पहुंचे दर्शक घंटों झूमते रहे। उन्होंने बाबा भूतेश्वर नाथ के भजन प्रस्तुत कर हजारों लोगों की दिलों में जगह बना ली। उनके द्वारा प्रस्तुत गीत के बोल देखिए- भूतवा परेतवा के राजा भूतेश्वर बाबा..., जब हर-हर भोला..., राम जी की निकली सवारी..., मोर छत्तीसगढ़ महतारी..., भारत का बच्चा-बच्चा..., तोर भुवना ओ दाई..., काली काली महाकाली..., इत्यादि भजनों का शानदार आगाज हुआ। रात्रि 9:00 से 10:00 बजे तक चले एक घंटा की इस धमाकेदार प्रस्तुति ने अमित छाप छोड़ी। इसमें प्रमुख रूप से मुंबई से पहुंचे गायक किरण भट्ट ने हिंदी गीत राम जी की निकली सवारी गाकर समा बांध दिया। सहयोगी गायक के रूप में गोपाल साहू, माधुरी शर्मा, गरिमा जैन, अंशुदास की प्रस्तुति ने भी खास पहचान बनाई। इस मौके पर पूरा दर्शक दीर्घा खचाखच भरा हुआ था।

डॉ.पुरुषोत्तम चंद्राकर को लोक कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में अलंकृत किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2024 के अवसर पर लोककला के संरक्षण संवर्धन तथा छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोकगीत नृत्य को मूल स्वरूप में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत ही सुंदर ढंग से प्रस्तुति के लिए छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ लोक कलाकार डॉ.पुरुषोत्तम चंद्राकर को सम्मानित किया गया। डॉ.पुरुषोत्तम चंद्राकर द्वारा लोक रंजनी लोककला सांस्कृतिक मंच रायपुर के माध्यम से छत्तीसगढ़ के विलुप्त हो रहे वाद्य यंत्रों के अध्ययन पर संस्कृति विभाग नई दिल्ली द्वारा वर्ष 2011 में जूनियर फैलोशिप सम्मान से सम्मानित किया गया। आपके मंच के माध्यम से छत्तीसगढ़ के विभिन्न पारंपरिक लोकगीत नृत्य सुवा, कर्मा, ददरिया, पंथी, भरथरी, भोजली, राउत नाचा, डंडा नृत्य, गेड़ी नृत्य, ककसार, मांदरी नृत्य, लोक थिएटर नाटक की प्रस्तुति देश भर के लोक महोत्सव एवं विभिन्न उत्सव में बहुत ही मनोहारी ढंग से प्रस्तुति दिए हैं। आपको सम्मानित होने पर इस उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ के कला जगत के अनेकों लोगों ने बधाई दी।

कार्यालय नगरपालिका परिषद कवर्धा जिला कबीरधाम (छ.ग.)

क्र. / 4068/रा.नि./न.पा./2024-25 कवर्धा, दिनांक 04.11.2024

नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, कि निम्नांकित सूची अनुसार भूमि भवन हस्तांरणकर्ता द्वारा हस्तांतरिती के नाम पर नाम परिवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

क्र	प्र.क.	हस्तांतरणकर्ता/पिता पति का नाम	हस्तांतरिती/पिता, पति का नाम	वार्ड नं.	खसरा / भूखंड	क्षेत्रफल	नामांतरण का आधार
1	149	श्रीमती मालती ध्रुर्वे / चतुर सिंह धुर्वे	श्रीमती तिजिया बाई ध्रुव / चतुर सिंह ध्रुव	24	417	20.00 sqm	रजिस्ट्री पत्र
2	150	श्री रेखराम साहू / रघुनंदन	श्री रामजी साहू /बलीराम साहू	3	158/18	0.0120 hest	रजिस्ट्री पत्र
3	151	श्रीमती सारिका बोथरा /अजय बोथरा	आशिफ अनवर / मोहम्मद सरवर कुरैशी	22	81/1	60.75 sqm	रजिस्ट्री पत्र
4	152	श्रीमती बुंदन बाई साहू / गनपत साहू	-	8	173/23	0.0120 hest	रजिस्ट्री पत्र
5	153	मुकेश कुमार सोनी / बुलाकी राम सोनी	- -	8	88/3	0.0120 hest	रजिस्ट्री पत्र
6	154	1 श्री बहल राम निर्मलकर / रिखीराम 2. जलेश रजक आ. रिखी राम निर्मलकर	श्रीमती दिनेश्वरी साहू / कार्तिक राम साहू	24	896/39	0.0120 hest	रजिस्ट्री पत्र
7	155	श्री दीपक, सतरूपा, रूपा/ महेत्तर निषाद	श्री राम प्रसाद / सेखऊ राम	16	179/5	52.00 sqm	न. अ. / रा.नि.
8	156	श्री चमन, सीता /स्व. रामकली बेवा/ बिहारी लाल निषाद	श्री राम प्रसाद / सेखऊ राम	16	179/3	61.00 sqm	न. अ. / रा.नि.
9	157	श्रीमती नंदरानी साहू / रमेश साहू	श्री लोकेश साहू /जोधन साहू	24	895/27	0.004 hest	रजिस्ट्री पत्र
10	158	श्री चौवालाल नवरंग / प्रेमलाल नवरंग	श्रीमती गिरजा बाई / रामखिलावन	17	954/77	0.0200 hest	रजिस्ट्री पत्र
11	159	श्री रमेश कुमार गुप्ता / पदुम नाथ गुप्ता	श्रीमती सुलोचनी गुप्ता / संतोष कुमार गुप्ता	26	339/2	52.50 sqm	हक त्याग
12	160	श्रीमती अमृत यादव / जगदीश यादव	श्री विजय साहू / भरत साहू	24	850/4	0.005 hest	रजिस्ट्री पत्र
13	161	श्रीमती कौशिल्या साहू /दिलीप साहू	श्री शिवकुमार /अवध राम साहू	8	91/8	0.0120 hest	रजिस्ट्री पत्र
14	162	श्री कुमारी बाई सोनकर / रामावतार सोनकर	1 श्री संपत रामनामी / त्रिलोकी 2 सम्पत सतनामी / अलंकहा	7	8/1	750 sqm	रा.मा. आ. यो. 2019 पट्टा / मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर

अतः उपरोक्त सूची अनुसार जिरो भी इस संबंध में दावा/आपत्ति हो तो वह मूल प्रमाण पत्र एवं प्रमाणित दस्तावेज सहित इस सूचना प्रकाशित के 15 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। अवधि समाप्त होने के पश्चात् या बिना प्रमाण के प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा तथा नामांतरण नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद कवर्धा

पूर्वोत्तर रेलवे से होकर 248 पूजा विशेष गाड़ियाँ 1,668 फेरों में चलाई जा रही है, पिछले वर्ष 147 विशेष गाड़ियाँ 556 फेरों में चलाई गई थीं

रायपुर (विश्व परिवार)। पूर्वोत्तर रेलवे से/होकर 248 पूजा विशेष गाड़ियाँ 1,668 फेरों में चलाई जा रही हैं, जबकि पिछले वर्ष 147 विशेष गाड़ियाँ 556 फेरों में चलाई गई थीं। 08 नवम्बर, 2024 को पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से 37 विशेष गाड़ियाँ तथा पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से होकर 10 विशेष गाड़ियाँ चलाई जायेंगी।

आज पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से 37 विशेष गाड़ियाँ तथा पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से होकर 10 विशेष गाड़ियाँ चलाई जाएंगी

छठ पर्व के अवसर पर उत्तराखंड से चलाई जा रही विशेष गाड़ियों का विवरण- 08 नवम्बर, 2024 को 05097 टनकपुर-दौराई विशेष गाड़ी, टनकपुर से 18.25 बजे चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 05098 दौराई-टनकपुर विशेष गाड़ी, टनकपुर 09.35 बजे पहुँचेगी।

उत्तर प्रदेश से/को चलाई जा रही विशेष गाड़ियों का विवरण- 08 नवम्बर, 2024 को 09450 गोरखपुर-अहमदाबाद विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 07.30 बजे चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 05053 गोरखपुर-बान्द्रा टर्मिनस विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 09.30 बजे चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 09062 गाजीपुर सिटी-उधना विशेष गाड़ी, गाजीपुर सिटी से 09.30 बजे चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 14.30 बजे चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 09184 बनारस-मुम्बई सेन्ट्रल विशेष गाड़ी, बनारस से 14.30 बजे चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 01416 गोरखपुर-पुणे विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 17.30 बजे चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 05634 गोरखपुर-नारंगी विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 20.55 बजे चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 02587 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 21.10 बजे चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 04517 गोरखपुर-चंडीगढ़ विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 22.05 बजे चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 04830 गोरखपुर-जोधपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 23.25 बजे चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 09449 अहमदाबाद-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 04.30 बजे पहुँचेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 09061 उधना-गाजीपुर सिटी विशेष गाड़ी, गाजीपुर सिटी 06.30 बजे पहुँचेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 05004 दिल्ली-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 07.30 बजे पहुँचेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 05006 अमृतसर-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 08.50 बजे पहुँचेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 01079 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 10.00 बजे पहुँचेगी। नवम्बर, 2024 को 03121 सियालदह-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 10.10 बजे पहुँचेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 09183 मुम्बई सेन्ट्रल-बनारस विशेष गाड़ी, बनारस 10.30 बजे पहुँचेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 05633 नारंगी-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 13.00 बजे पहुँचेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 05063 कोलकाता-मऊ विशेष गाड़ी, मऊ 13.20 बजे पहुँचेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 01415 पुणे-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 16.00 बजे पहुँचेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 05302 आनन्द विहार टर्मिनल-मऊ विशेष गाड़ी, मऊ 17.45 बजे पहुँचेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 05326 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 18.00 बजे पहुँचेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 04518 चंडीगढ़-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 18.20 बजे पहुँचेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 04829 जोधपुर-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 20.50 बजे पहुँचेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 09031 बान्द्रा टर्मिनस-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 21.00 बजे पहुँचेगी।

बिहार से चलाई जा रही विशेष गाड़ियों का विवरण- 08 नवम्बर, 2024 को 05743 छपरा-कटिहार विशेष गाड़ी, छपरा से 04.30 बजे चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 05049 छपरा-अमृतसर विशेष गाड़ी, छपरा से 09.55 बजे चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 02270 लखनऊ-छपरा विशेष गाड़ी, लखनऊ से 14.15 बजे चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 05298 छपरा-पाटलिपुत्र विशेष गाड़ी, छपरा से 15.20 बजे चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 05115 छपरा-उधना विशेष गाड़ी, छपरा से 21.30 बजे चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 02269 छपरा-लखनऊ विशेष गाड़ी, छपरा से 23.00 बजे चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 05744 कटिहार-छपरा विशेष गाड़ी, छपरा 00.20 बजे पहुँचेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 05110 आनन्द विहार टर्मिनल-छपरा विशेष गाड़ी, छपरा 06.45 बजे पहुँचेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 05297 पाटलिपुत्र-छपरा विशेष गाड़ी, छपरा 10.50 बजे पहुँचेगी।

पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से होकर चलाई जा रही विशेष गाड़ियों का विवरण- 08 नवम्बर, 2024 को 01208 समस्तीपुर-नागपुर विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 04195 आगरा कैंट-फारबिसगंज विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 04031 सहरसा-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 04645 बरौनी-जम्मूतवी विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 04314 हरिद्वार-मुजफ्फरपुर विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 04058 आनन्द विहार टर्मिनल-मुजफ्फरपुर विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 09067 उधना-बरौनी विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 05283 मुजफ्फरपुर-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 05284 आनन्द विहार टर्मिनल-मुजफ्फरपुर विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 08 नवम्बर, 2024 को 04683 सहरसा-नई दिल्ली विशेष गाड़ी चलाई जायेगी।

स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिये व्यापक प्रबन्ध किये गये हैं। रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) द्वारा यात्रियों को कतारबद्ध तरीके से ट्रेन में प्रवेश कराया जा रहा है। प्रमुख स्टेशन पर यात्री होल्डिंग एरिया बनाये गये हैं, जिसमें उद्घोषणा प्रणाली, ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड, सिटिंग एरिया, सी.सी.टी.वी. कैमरे इत्यादि की व्यवस्था की गई है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

क्रम सं. (1) : ई-निविदा संख्या: डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-102-24-25, दिनांक : 28/10/2024

कार्य : बिलासपुर डीवीजन के बिलासपुर से अनुपपुर सेक्शन के बीच वेल्ड प्लान एवं एलडब्ल्यूआर/सीडब्ल्यूआर की तैयारी, मौजूदा ईएसपी/प्लान में सुधार, एल-सेक्शन ईएसपी/प्लान की तैयारी और मौजुदा ट्रैक एवं यार्ड का सर्वेक्षण। **निविदा मूल्य (रु) :** 27,02,759.67/- **अमानत राशि (रु) :** 54,100.00/- **कार्य पूर्णता की अवधि:** 06 माह. **निविदा जमा करने की आरंभ तिथी :** दिनांक 11.11.2024 के 11:00 बजे से ! **निविदा जमा करने की अंतिम तिथी :** दिनांक. 25.11.2024 के 11:00 बजे तक !

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध हैं ! उपरोक्त निविदाओ हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी !

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/AM/320 द.पू.म.रेलवे / बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

क्षेत्रीय कार्यालय, जीवन प्रकाश, एलआईसी बिल्डिंग, पंडरी, रायपुर (छ.ग.)
फोन 0771-4222611, 4222612, ई-मेल: recovery.raipur@bankofbaroda.com

सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत 60 दिनों की नोटिस का प्रकाशन
(Publication in the Newspapers in case of return/failure of service of 60 day's Notice U/s.13 (2) of SARFAESI Act,2002)

प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा ने, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत निम्नलिखित ऋणकर्ताओं / गारंटरो को 60 दिनों के नोटिस, पंजीकृत डाक / पावती सहित डाक / स्पीड पोस्ट द्वारा जारी की हैं. लेकिन यह नोटिस डाक अधिकारियों द्वारा सुपूर्दगी प्राप्त करने में मना करने / गलत पते / व्यक्ति द्वारा स्थान शहर छोड़े जाने आदि कारणों से लौटा दी गई हैं. इन ऋणकर्ताओं / गारंटरो ने, अपनी निम्नलिखित चल / अचल संपत्तियों को, बैंक द्वारा ऋणकर्ता(ओं) को दी जाने वाली विभिन्न ऋण सुविधाओं को प्राप्त करने के एवज में दृष्टि बंधक/बंधक रखा हैं. बैंक की देय राशि के भुगतान न करने तथा ऋण की नियम एवं शर्तो को पूरा न करने के कारण ऋणकर्ता(ओं) / गारंटर(रों) द्वारा बैंक के ऋण एवं ब्याज के भुगतान में चूक किये जाने के कारण, खाता, भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानुसार एनपीए हो गया हैं। उपर्युक्त को देखते हुए, निम्नलिखित ऋणकर्ता(ओं) / गारंटर(रों) को बैंक द्वारा निम्नलिखित देय के ब्याज सहित भुगतान हेतु 60 दिनों का नोटिस जारी किया गया हैं, जिससे चूकने पर बैंक बिना न्यायालय या ट्रिब्यूनल के हस्तक्षेप के, अधिनियम के चैप्टर III के अंतर्गत एक या अनेक साधनों द्वारा प्रतिभूति हित लागू करने हेतु बाध्य होगा. ऋणकर्ता(ओं) /गारंटर(रों) को इस नोटिस द्वारा यह भी सूचित किया जाता हैं कि वे, अधिनियम की धारा 13(13) की शर्तो के अनुरुप, बैंक की सहमति के बिना बैंक को प्रभारित प्रतिभूत आस्तियों में से किसी को भी बिक्री / पट्टे या किसी अन्य द्वारा (सामान्य व्यवसाय के अलावा) ट्रांसफर नहीं करेंगे. ऋणकर्ता(ओं)/गारंटर(रों) तथा प्रतिभूत आस्तियों के विवरण नीचे दिए गए हैं जिनके विरुद्ध बैंक 60 दिनों के बाद कार्रवाई प्रारंभ करेगा, यदि उनके द्वारा देय राशि का भुगतान नहीं किया जाता हैं.

क्र.	शाखा का नाम और फोन नं.	उधारकर्ता का नाम और पता	बकाया राशि डिमांड नोटिस के अनुसार	सुरक्षित संपत्ति का विवरण (एनपीए दिनांक: 08.10.2024) (नोटिस दिनांक: 09.10.2024)
01	अवंति विहार शाखा,रायपुर 9752410719	श्री पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह एवं श्रीमती रानू सिंह मकान नं. डब्ल्यू ई 235, पटवारी कार्यालय के पास, भाठागांव, रायपुर, छ.ग.- 492001	रु. 8,36,345.00 + अप्रयुक्त ब्याज + अन्य प्रभार	भूमि और भवन स्थित प्लाट नं.-5, ब्लॉक नं.- एफ, सांई राम सिटी कॉलोनी स्थित खसरा नं.-1062/4, 1063/2, 1078/4,1062/1,1078/1,1062/2, 1078/2, 1066, 1067, कुल क्षेत्रफल- 915 वर्गफीट, प.ह.नं.- 81/02, ग्राम- पचेड़ा, आरआईसी मंदिर हसौद, तहसील- आरंग, जिला- रायपुर, छ.ग. हैं जो श्रीमति रानू सिंह पति श्री पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह के नाम पर हैं. सीमाएं: उत्तर- प्लाट नं. 6, दक्षिण - प्लाट नं. 4, पूर्व- प्लाट नं. 16, पश्चिम- रोड.

दिनांक:08.11.2024, स्थान: रायपुर, छत्तीसगढ़ प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ़ बड़ौदा

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शुक्रवार 08 नवंबर 2024

सीएसपी दर्री विमल कुमार पाठक ने के बी सी जूनियर में 12.5 लाख जितने वाले अर्जुन अग्रवाल को किया सम्मानित

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के एनटीपीसी संयंत्र में डीजीएम (एमजीआर) पद पर कार्यरत मनीष अग्रवाल के 11 वर्षीय सुपुत्र अर्जुन अग्रवाल जो कि डीपीएस एनटीपीसी कोरबा के छात्र हैं को नगर पुलिस अधीक्षक दर्री विमल कुमार पाठक ने अपने कार्यालय में स्मृति चिन्ह भेंट कर तथा मिठाई खिलाकर सम्मानित करते हुए उज्वल भविष्य की शुभ कामना दी। अर्जुन अग्रवाल को ये सम्मानित केबीसी जूनियर के इस सीजन में 12 लाख 50 हजार रुपये जीतकर राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाते हुए जिले का नाम रौशन करने के लिए प्रदान किया गया। आपको बता दें कि केबीसी जूनियर का बहुप्रतीक्षित पहला एपिसोड सोमवार रात प्रसारित हुआ, जिसमें अर्जुन के असाधारण ज्ञान और तेज सोच की अमिताभ बच्चन ने भी जमकर सराहना की। अर्जुन ने अपने माता-पिता और छोटी बहन नैना के साथ वहां पहुंचे थे। नगर पुलिस अधीक्षक दर्री श्री पाठक ने कहा यह उपलब्धि न केवल अपने परिवार के लिए, बल्कि विद्यालय सहित जिले के लिए भी गर्व की बात है।अर्जुन का अद्वितीय सफलता की कहानी और भी विशेष बन जाती है, क्योंकि 11 वर्ष की आयु में कोरबा के एक छोटे से होनहार छात्र ने राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह की उपलब्धि हासिल की। उन्होंने बताया शैक्षिक उपलब्धियों के अतिरिक्त, अर्जुन एक कुशल शतरंज खिलाड़ी भी हैं और बैडमिंटन खेलना पसंद करते हैं, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है। उनका पसंदीदा विषय विज्ञान है, और उन्हें नई अवधारणाओं को जानने और सीखने का गहरा उत्साह है। यहां बताना और भी जरूरी है कि अर्जुन को 25 लाख रुपये का सवाल पूछा गया, तो उन्होंने समझदारी से खेल छोड़ने का निर्णय लिया, जिससे उनकी 12 .5 लाख रुपए की जीत सुरक्षित रही। अर्जुन के पिता मनीष डीजीएम और माता नेहा अग्रवाल,जो कि गृहिणी ने अपने बेटे की सफलता पर सीएसपी दर्री द्वारा किया गया सम्मानित को लेकर सीएसपी दर्री तथा पूरा स्टाफ को धन्यवाद ज्ञापित किया। सीजन के जूनियर केबीसी विजेता अर्जुन ने बताया पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करने के बाद मुझे मुंबई में आयोजित ग्राउंड ऑडिशन के लिए चुना गया, जहां 540 प्रतिभागियों के बीच लिखित परीक्षा और साक्षात्कार में मैंने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

बलात्कारी आरटीओ एजेंट को 10 साल की सजा, 5 माह में कोर्ट ने सुनाया फैसला

कोरबा(विश्व परिवार)। अमरैयापारा कोरबा में रहने वाले विनय सिंन्हा आरटीओ एवं इंश्योरेंस का काम करता है। अभियुक्त ने घर में खाना बनाने वाली महिला को शादी का झांसा देकर दैहिक शोषण किया था। घर में खाना बनाने का काम करने वाली महिला जो जिला अस्पताल कोरबा गई थी उसे देखकर उसने अपने घर में काम पर रख लिया फिर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाना चालू कर दिया। जब महिला शादी के बोलने लगी तब अभियुक्त उसे डराने धमकाने की भी कोशिश किया अंतत: महिला ने अपने साथ हुए अत्याचार के खिलाफ मानिकपुर पुलिस चैकी में 23.5.2024 को एफआईआर दर्ज कराया। जून 2024 में अभियोग पत्र सेशन न्यायालय कोरबा में प्रस्तुत होने के बाद अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी कोर्ट को कोरबा में मामले का विचारण प्रारंभ किया गया। जून 2024 के बाद अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी कोर्ट को कोरबा में मामले का विचारण प्रारंभ किया गया। जून 2024 में अभियोग पत्र प्रस्तुत होने के बाद अपर सत्र न्यायाधीश श्री अश्वनी कुमार चतुर्वेदी ने दिनांक 5 नवंबर 2024 को अभियुक्त को मामले में दोषी करार करते हुए 10 साल सश्रम कारावास और पांच हजार अर्थदंड की सजा सुनाया। शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक मोहन सोनी ने पीड़िता का पक्ष रखा, वहीं अभियुक्त की ओर से अधिवक्ता अनुराग मोहित नाथ ने पैरवी किया।

संक्षिप्त समाचार

नाले में मिली तीन दिनों से लापता युवक की लाश

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिले के बेलगिरी नाले में तीन दिनों से लापता एक युवक की लाश मिली है। मृतक की पहचान सुपुरन लाल पटेल के रूप में की गयी है जो कि चारपारा कोहड़िया का निवासी बताया जा रहा हैं। युवक की मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई सीएसईबी पुलिस इस मामले की जांच पड़ताल कर रही हैं। जानकारी के अनुसार सीएसईबी चैकी क्षेत्र अंतर्गत सुपुरन चारपारा कोहड़िया निवासी परिजनों के बताये अनुसार1 नवंबर से वो लापता था। उसके लापता होने की शिकायत थाने में भी दर्ज कराई गई थी। उसकी तलाश के बीच पुलिस को बेलगिरी नाले में पुलिस को एक शव मिलने की सूचना मिली। हाथ पर बने टैटू के आधार पर परिवार वालों ने शव को सुपुरन के रूप में पहचान की। युवक की मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई है इसका अभी पता नहीं चल सका है। इस मामले में मर्ग कायम कर सीएसईबी पुलिस ने जांच पड़ताल शुरु कर दी है। वही शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मृत्यु के असली कारणों का पता चल सकेगा।

हाईवे ट्रक ने अनजान व्यक्ति को ठोकर मारकर हुआ फरार

कोरबा(विश्व परिवार)। गेवरा दीपका हरदी बाजार बायपास मार्ग बना जलनेवा आए दिन हो रहा है घटना दुर्घटना ट्रक क्रमांक सीजी 10 बी एच 6372 ने हीरो मोटरसाइकिल सीजी 12 बी पी 6747 को मारी ठोकर युवक रोड में मूर्छित अवस्था में पड़ा हुआ है ट्रक मालिक के खिलाफहोना चाहिए अपराध दर्ज। अभी कुछ देर पहले शाम के समय यह घटना घटित हुआ है गेवरा-दीपिका -हरदी बाजार मार्ग में हाईवे ट्रक ने एक अनजान व्यक्ति को ठोकर मारकर भाग खड़ा हुआ व्यक्ति की शायद मृत्यु हो गई है ऐसा सूत्र बता रहे हैं। अभी दो तीन दिन पहले भी ऐसी ही घटना हुई थी आए दिन घटना हो रहा है किसी दिन लान आर्डर की स्थिति निर्मित हो शक्ति है एसईसीएल प्रबंधन कोल ट्रांसपोर्टर ध्यान नहीं देते हैं इसी का नतीजा है। ट्रैकों को ट्रिप लगाने के लिए एडवांस बोनस भी देते हैं हमारे आसपास के भोले भाले लोग आए दिन ट्रैकों के चपेट में आकर मर रहे हैं यह बड़ा दुखद घटना है इस गंभीर विषय को शासन प्रशासन को गंभीरता पूर्वकसंज्ञान लेने की जरूरत है और वाहन मालिक के खिलाफ अपराध दर्ज होना चाहिए तभी यह घटना रुक सकती है। एसईसीएल प्रबंधन अपने खदान एरिया में ट्रैकों को खड़ा करने के लिए पार्किंग की व्यवस्था करें जिससे भी दुर्घटनाओं में कमी आएगी सड़कों में जो ट्रक खड़ी रहती है वह ट्रक नहीं खड़ी होगी। इस सड़क को कुछ दिन पहले ही एसईसीएल प्रबंधन द्वारा बनाया गया था उसे सड़क मार्ग में स्ट्रीट लाइट की भी व्यवस्था नहीं है और ना ही पानी के छिड़काव की जाती है। आम नागरिकों को आने जाने के लिए काफी दिक्कतों का सामना रात्रि कालीन और दिन में भी सुरक्षित महसूस करते हैं। हरदी बाजार क्षेत्र के लगभग 40 से 50 गांव के लोग इस मार्ग से दीपिका गेवरा सहित आसपास के गांव के लोग अपनी रोजी-रोटी कमाने के लिए काम करने के लिए बाजार करने के लिए आना जाना पड़ता है। बच्चों को स्कूल के लिए इसी मार्ग से आना पड़ता है जो सुरक्षा के लिए हाथ से बहुत बड़ा खतरा है।

कोटवारों का सम्मेलन व साइबर वर्कशाप का कार्यक्रम संपन्न

मुंगेली(विश्व परिवार)। जिले में कानून व्यवस्था एवं आगामी पंचायत चुनाव के मद्देनज़र आज लोरमी विकासखंड में लोरमी कबीर भवन में मोर पहचान मोर सम्मान के बैनर तले कोटवारों का एक सम्मेलन और वर्कशॉप आयोजित किया गया जिसमें कोटवारों को पुलिस और जिला प्रशासन से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के संबंध में बताया व महत्वपूर्ण जानकारी दी साथ ही पुलिस और प्रशासन का सक्रिय सहयोग करने के लिए बताया गया पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने कोटवारों को उनके अधिकार ग्रामो में होने वाली अवैध गतिविधियों जिनमे अवैध शराब,जुआ,सट्टा आदि व अन्य अपराधिक गतिविधियों में शामिल असामाजिक तत्वों के बारे में गोपनीय रूप से जानकारी देने और ऐसे लोगो पर निगरानी रखने को निर्देशित किया व साइबर फ्रॉड के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की और फ्रॉड से बचने के तरीकों व जानकारी संबंधित पोस्टर और पाम्पलेट वितरित किया ताकि वे अपने गाँव मे जाकर मुनादी कर ग्रामीणों को भी साइबर फ्रॉड के संबंध में जागरूक कर सके और प्रमुख चौक चैराहो पर पाम्पलेट और बैनर चस्पा करें।और बताया कि एक जिला स्तरीय वॉट्सएप ग्रुप बनाया गया है जिसमे जिले के सभी कोटवारो को जोड़ा जा रहा है आप सभी जुड़े और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल संबंधित थाना प्रभारी और वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने कहा उक्त कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, जिला वनमंडलाधिकारी संजय यादव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सु नवनीत कौर एसडीओपी माधुरी डीहरी एसडीएम लोरमी थाना प्रभारी आदि उपस्थित रहे।

तीन सूत्रीय मांगों को लेकर सहकारी समिति के कर्मियों ने राजधानी में डाला डेरा

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रदेश सरकार 15 नवंबर से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किसानों से धान की खरीदी करेगी। सहकारी समितियों में इसकी तैयारी शुरू हो गई है। इधर धान खरीदी शुरू होने से पहले तीन सूत्रीय मांगों को लेकर सहकारी समितियों ने ताल ठोक दी है। समितियों में काम करने वाले कर्मचारी बेमियादी हड़ताल पर चले गए हैं। कर्मियों ने रायपुर में डेरा डाल दिया है। उनका कहना है कि पूर्व में मुख्यमंत्री जनदर्शन में आवेदन देकर समितियों की ओर से तीन सूत्रीय मांगों के संबंध में अवगत कराया गया था। अभी तक इस दिशा में सरकार की ओर से कोई कारगर कदम नहीं उठाया गया। इसलिए समितियों में काम करने वाले कर्मचारी हड़ताल पर हैं। समिति की ओर से बताया गया है कि तीन प्रमुख मांगों में मध्यप्रदेश सरकार की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में काम करने वाले सभी सहकारी समितियों के कर्मचारियों को वेतनमान के लिए 3-3 लाख रुपए की सालाना अनुदान राशि दी जाए। समितियों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए सेवा नियम 2018 में संशोधन करते हुए पुनरीक्षित वेतनमान लागू किया जाए। धान खरीदी नीति में बदलाव लाया जाए, सुखता मान्य को आसान बनाए जाए। खरीदी के दौरान समितियों में होने वाली व्यय, कमीशन, खाद-बीज, फसल बीमा आदि की राशि में चार गुना बढ़ोत्तरी की जाए। समितियों की ओर से बताया गया है कि मांगों के समर्थन में 18 से 20 अक्टूबर तक कालीपट्टी लगाकर विरोध किया गया था। 21 व 22 अक्टूबर को कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर थे। मांग पूरी नहीं होने पर अब बेमियादी हड़ताल पर हैं। सहकारी समितियों में धान खरीदी की तैयारी शुरू हो गई है। इस साल धान बेचने के लिए कोरबा जिले में 50 हजार से अधिक किसानों ने पंजीयन कराया है। इसमें लगभग 3 हजार नए किसान हैं। किसानों से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी के लिए जिला प्रशासन अपनी तैयारियों को पूरा करने में लगा हुआ है। समितियों से कहा गया है कि धान खरीदी के लिए जरूरी सभी व्यवस्था केंद्रों में पूरी कर ली जाए।

ठंड की दस्तक के साथ कोरबा से लौटने लगे ओपनबिल्ड स्टार्क प्रवासी पक्षी

कोरबा(विश्व परिवार)। ठंड की दस्तक के साथ ही श्रीलंका सहित कई देशों से आने वाले पक्षियों का प्रवास काल कनकी में पूरा हो चुका है। अब वे अपने बच्चों के साथ मीलों का सफर पूरा कर स्वदेश लौटने लगे हैं। दशकों से यह खास किस्म के पक्षी घोंगिल ओपनबिल्ड स्टार्क जिले के कनकेश्वर धाम को अपने प्रवास का सबसे प्रिय स्थान बना लिया है, वे यहां प्रजनन के लिए आते हैं। पक्षियों का आगमन जून महीने में होता है। यह वह माह होती है जब शिव की आराधना के पवित्र माह सावन की भी शुरूआत होती है। भगवान शिव की आराधना के लिए प्रख्यात कनकेश्वर धाम में पक्षियों का आगमन शिव की आराधना से जुड़ा हुआ है। ग्रामीण इन पक्षियों को आस्था से जोड़कर देखते हैं। बरसात की शुरूआत में इनका आगमन होने के करण इन्हें मानसून का सूचक भी माना जाता है। अब ठंड की शुरुआत होते ही पक्षी वापस लौटने लगे हैं। यह अपने घोसले इमली बरगद पीपल, बबूल व बांस के पेड़ों पर बनाते हैं। प्रति वर्ष ढाई से तीन हजार की संख्या में पक्षी यहां आते हैं। एक पेड़ पर 20 से 30 घोसले होते हैं। प्रत्येक घोसले में चार से पांच अंडे होते हैं। सितंबर के अंत तक इनके चूजे बड़े होकर उड़ने में समर्थ हो जाते हैं। घोसलों का स्थान भी निश्चित होता है। जहां प्रत्येक वर्ष यह जोड़ा उन्ही टहनियों पर घोसला रखता है जहां पूर्व के वर्ष में था। गांव कनकी की जलवायु में प्रवासी पक्षियों को प्रजनन काल के लिए उपयुक्त वातावरण मिलता है। जिसके कारण ही यहां पिछले कई दशकों से यह सिलसिला लगातार चलता आ रहा है। मुख्यतौर पर यह पक्षी दक्षिण पूर्व एशिया,श्रीलंका और दक्षिण भारत में भी पाए जाते हैं। जिनकी रक से अधिक प्रजातियां विश्व में मौजूद हैं।

श्रीराम लला दर्शन के लिए रायगढ़ से श्रद्धालुओं का छठा जत्था रवाना

रायगढ़(विश्व परिवार)। श्री राम लला दर्शन योजना के तहत अयोध्या धाम के दर्शन के लिए रायगढ़ जिले से श्रद्धालुओं का छठा जत्था आज सुबह 6.30 बजे रवाना हुआ। श्रद्धालु बस से बिलासपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे। जहां से वे स्पेशल आस्था ट्रेन से आगे के सफर के रवाना हुए। इस जत्थे में जिले से कुल 107 यात्री शामिल हो रहे हैं। इनमें 79 ग्रामीण क्षेत्रों से हैं और 28 शहरी क्षेत्र के श्रद्धालु शामिल हैं। श्रद्धालुओं का दल 09 नवंबर को वापस लौटेगा। चार दिवसीय यात्रा के दौरान यात्री अयोध्या धाम के साथ वाराणसी में काशी विश्वनाथ के भी दर्शन करेंगे। यात्रियों के सहयोग के लिए जिला प्रशासन की ओर से 3 सहायकों का दल भी साथ जा रहा है। जिसमें एक चिकित्सा सहयोगी भी शामिल है। राम लला दर्शन योजना की शुरुआत मार्च 2024 से हुई है। जिसमें बारी-बारी प्रदेश के हर जिले से श्रद्धालुओं की टोली अयोध्या और काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए जाती है। रायगढ़ जिले से अब तक 5 दल में साढ़े पांच सौ से अधिक श्रद्धालु अयोध्या धाम के दर्शन कर चुके हैं। जिले से पहला जत्था 11 मार्च 2024 को रवाना हुआ था।

एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर अचानक रात्रि में पहुंचे चौकी, लगाई प्रभारी को फटकार

गुंडे एवं बदमाश प्रकृति के लोगों के खिलाफकड़ी कार्रवाई करने के निर्देश

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने मंगलवार, 05 नवम्बर की रात अचानक चौकी लटोरी पहुंच औचक निरीक्षण किया। एसएसपी के अनाचक पहुंचने पर वहां मौजूद पुलिस अधिकारी व जवान चौक गए। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों की गणना भी कराई और रात्रि के वक्त अधिक संख्या में जवानों की मौजूदगी बनाए रखने के निर्देश दिए। रात्रि काल में अचानक पहुंचे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने लंबित मामलों की समीक्षा पर कमियां पाए जाने पर प्रभारियों सहित विवेचकों को कड़ी फटकार लगाई और जल्द कमियों को पूरा कर निराकरण करने के निर्देश देते हुए मालखाना, हवालात, कंप्यूटर कक्ष, रिकॉर्ड आदि का निरीक्षण कर चौकी प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। फरियादी के चौकी आने पर उसे बड़े आत्मीयता से बैठाकर उनकी समस्या सुने और निराकरण करने एवं रात्रि गश्त को और पुख्ता बनाने एवं गुण्डे व बदमाश प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

अच्छा कार्य स्वत: ही आमजन के बीच पहुंचेगा- एसएसपी सूरजपुर ने कहा कि जब हम अच्छा काम करेंगे तो वह स्वत: ही आमजन के बीच आएगा। उन्होंने कहा संवेदनशील मामलों का जल्द निपटारा हो। क्योंकि अगर ऐसे मामलों में देरी होती है तो अपराधियों का मनोबल बढ़ता है। उन्होंने थानों में दर्ज विभिन्न प्रकरणों की समीक्षा की तथा संबंधित बीट प्रभारी से स्थिति की जानकारी भी ली। लंबित मामलों के निराकरण में धीमी गति पर प्रभारियों के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए सख्त निर्देश दिए कि मामलों को अनावश्यक लंबित न रखा जाए, अपराध पंजीबद्ध होने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी करते हुए विवेचना जल्द पूर्ण कर चालान माननीय न्यायालय में पेश किए जाए।

जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का सीईओ ने अतिशीघ्र निराकरण के दिए निर्देश

रायगढ़(विश्व परिवार)। जिला स्तरीय आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में मंगलवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी मांग एवं समस्याओं के संबंध में आवेदन दिए। जनदर्शन में राशन कार्ड, चिकित्सा, आवास निर्माण, आर्थिक सहायता राशि जैसे विभिन्न आवेदन भी प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल के निर्देशन में सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव ने जनदर्शन में लोगों की समस्याएं, शिकायतें सुनी और उनसे आवेदन प्राप्त किए। मौके पर एडीएम सुश्री संतन देवी जांगड़े एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। ग्राम बैसपाली के रामप्रसाद डनसेना गली में हुए कब्जे को हटाये जाने के संबंध में आवेदन लेकर आए थे। उन्होंने बताया कि उनके घर के पास से जो गली गयी हुई है उसमें भूनेश्वर डनसेना के द्वारा कब्जा कर गली को बंद कर दिया गया है। जिससे आने-जाने में परेशानी हो रही है। बांझीनपाली वार्ड नंबर 32 के शांतिलाल चौहान एवं कन्हैया लाल कहरा वेतन एवं ग्रेज्युटी रकम दिलाए जाने के संबंध में आये थे। उन्होंने बताया कि वे दोनों मोहन जूटमिल रायगढ़ में काम करते थे। चूंकि जूटमिल तो बंद हो गया है, लेकिन उनके द्वारा काम किए गए वेतन एवं ग्रेज्युटी का भुगतान अब तक नहीं हो पाया है। उन्होंने वेतन भुगतान एवं ग्रेज्युटी को अतिशीघ्र दिलाने की मांग की। इसी तरह ग्राम ससकोबा के ग्रामीणों ने शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालक द्वारा राशन वितरण में अनियमितता की शिकायत लेकर जनदर्शन पहुचे थे। उन्होंने बताया कि शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालक बिहारी लाल द्वारा राशन कार्ड धारकों के घर जाकर फिंगर प्रिंट लेने के बावजूद अक्टूबर माह का चावल वितरण नही किया है। ग्रामवासियों ने राशन दिलाने की मांग करते हुए शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालक पर कार्यवाही मांग की। इसी प्रकार ग्राम पंचायत खैरपुर के ग्रामीणों ने अवैध शराब पर कार्यवाही की मांग लेकर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि ग्राम खैरपुर में अत्यधिक मात्रा में महुआ शराब बनाई एवं बेची जाती है। जिससे हमेशा असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगे रहता एवं मारपीट होता है। जिससे महिलाओं और बच्चों के साथ पूरा गांव परेशान है। उन्होंने उचित कार्यवाही की मांग की, ताकि गांव को अवैध शराब से मुक्ति मिल सके। ग्राम-देहजरी निवासी रूपेश्वर पटेल प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग को लेकर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि वे गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करते है। उन्होंने आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की। तमनार के राममंदिर चौक के रहवासियों ने नाली निर्माण के कार्य को अतिशीघ्र पूर्ण करने की मांग लेकर जनदर्शन में पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि राममंदिर चौक में जुलाई में नाली निर्माण के लिए खुदाई की गई थी। जिसका कार्य आज पर्यन्त तक प्रारंभ नहीं हुआ है। बारिश में पानी भर जाने से रहवासियों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ा। वहीं आवागमन एवं छोटे बच्चों के साथ दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। उन्होंने आग्रह किया कि नाली निर्माण के कार्य को अतिशीघ्र पूर्ण किया जाए ताकि यहां के रहवासियों को राहत मिल सके।

संपादकीय

तेल की धार जारी है मार

अभी-अभी कमर्शियल गैस कनेक्शन की कीमतों में 62 रुपए प्रति सिलेंडर की वृद्धि कर दी गई है । सरकार इस बात की बार-बार दुहाई दे रही है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें तो स्थिर हैं। 2014 में जब सरकार ने तेल की कीमतों में निरंतर वृद्धि की थी और पेट्रोल 59 रुपये प्रति लीटर से उछलते उछलते 108 रुपये तक पहुंचा था, तब बार-बार सरकार यह बताती थी कि तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर है। जैसे-जैसे दुनिया में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती हैं वैसे-वैसे पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाना सरकार की मजबूरी है। यह नीति मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार ने तब बनाई थी जब कच्चा तेल 120डालर प्रति बैरेल पर घूम रहा था और कीमतों के दबाव से बचने के लिए उन्होंने आइल पूल डिफिसिट फंड बनाया था वह बाजार के उतार-चढ़ाव को एब्जार्व करता था। इसीलिये कच्चा तेल 124 डालर होने के बावजूद पेट्रोल 58-59 रुपये लीटर मिल रहा था। अभी-अभी मोदी सरकार के मंत्री हरदीप सिंह पुरी कई तथ्यों के साथ सामने आए हैं । उन्होंने खुलासा किया है कि देश ने जैव ईंधन यानि एथेनाल के मिश्रण से लगभग एक लाख 6 हजार करोड़ की विदेशी मुद्रा बचाई है ।विचारणीय है कि मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार ने जब एथनाल नीति बनाई थी तो उसका आशय यही था कि आयात निर्भरता घटाकर आम उपभोक्ता को लाभ पहुंचाया जाये ।वर्ष 2014 तक मिश्रित ईंधन की कैलोरिक गुणवत्ता प्रायोगिक और शुरुआती दौर में थी,अत॒ एथेनाल का प्रयोग पेट्रोल की कुल खपत का 1.53 फीसदी तक ही था ।यह खपत अब 2023-24 में कुल खपत के 15 फीसदी तक पहुंच गई है ।लेकिन इस बचत का लाभ न तो उपभोक्ता को ही मिल रहा है न ही आयात निर्भरता में कमी ही आई है ।2014 में हमारी सकल घरेलू खपत के मुकाबले आयात निर्भरता लगभग 70 फीसदी थी जो अब बढ़कर बकौल मंत्री हरदीप सिंह के 88 फीसदी पर पहुंच चुकी है ।इसे नौ दिन चले अढ़ाई कोस ही कहा जा सकता है ।क्योंकि अगर नीतियां सात-आठ साल में भी परिणाम न दें तो उनकी समीक्षा लाजिम हो जाती है। इनवेस्टमेंट इनफार्मेशन एंड क्रेडिट कंपनी (ईक्रा) की रिपोर्ट बताती है कि कच्चे तेल की कीमतें 12 फीसदी कम हुई हैं। रूस ने हमें बाजार से सस्ता क्रूड आइल देकर विगत तीन साल से निहाल किया है । इसका लाभ न तो उपभोक्ता को मिला न ही अर्थव्यवस्था को ।विभिन्न तकनीकि अनुमान बताते हैं। कि अगर एक डालर प्रति बैरैल कच्चे तेल की कीमत घटती है तो कंपनियों को 13 हजार करोड़ की बचत होती है।

राष्ट्र के सुरक्षित डिजिटल भविष्य की दिशा में कदम....

-ज्योतिरादित्य एम.सिंधिया केन्द्रीय संचार तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री

तकनीकी प्रगति के साथ पैदा होने वाले खतरों से नागरिकों को बचाने के लिए एक सुदृढ़ साइबर व्यवस्था से लैस भारत का निर्माण करना होगा

भारत में, दूरसंचार की उपयोगिता लोगों को जोड़ने से कहीं बढ़कर है। यह एक ऐसा महत्वपूर्ण उपकरण भी है, जो विकास के हाशिए पर रहने वाले लोगों के उत्थान का काम करता है। पिछले एक दशक में, देश में डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में भारी विकास हुआ है। दुनिया में सबसे सस्ते डेटा दरों के साथ, भारत में अब 954.40 मिलियन से अधिक इंटरनेट ग्राहक हैं। इनमें से 398.35 मिलियन इंटरनेट ग्राहक ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। पिछले एक दशक में, ब्रॉडबैंड कनेक्शन 64 मिलियन से बढ़कर 924 मिलियन हो गए हैं। इस व्यापक कनेक्टिविटी ने एक डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया है, जो आज हमारे कुल आर्थिक परिदृश्य में 10 प्रतिशत का योगदान देता है। वर्ष 2026 तक इस योगदान के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के पांचवें हिस्से या 20 प्रतिशत तक पहुंच जाने का अनुमान है। बैंकिंग सेवाएं, केवाईसी सत्यापन, डिजिटल भुगतान और मोबाइल-आधारित प्रमाणीकरण भारत की डिजिटल क्रांति की रीढ़ रहे हैं, जिससे जन धन, आधार, मोबाइल (जेएएम) की तिहरी सेवाओं को फलने-फूलने में मदद मिली है। अकेले अक्टूबर 2024 में, देश में आधार समर्थ भुगतान प्रणाली के माध्यम से 126 मिलियन डिजिटल लेनदेन दर्ज किए गए। हालांकि, यह डिजिटल क्रांति विकट चुनौतियां भी प्रस्तुत कर रही है। विशेष रूप से, तकनीकी प्रगति के साथ पैदा होने वाले खतरों से हमारे नागरिकों की सुरक्षा की चुनौती। हमारे हाथ में रखे जाने वाले सुविधा के ये उपकरण स्पैम कॉल, घोटाले वाले संदेश, टेलीमार्केटिंग के अनुचित कॉल, फ़िशिंग घोटाले, नकली निवेश एवं ऋण के अवसरों जैसे साइबर अपराधों के जाल से भी घिरे हैं ।एक विशेष चुनौती सामने आई है: डिजिटल अरेस्ट के घोटाले आज चिंताजनक दर से बढ़ रहे हैं। इसकी कार्यप्रणाली के तहत ङ्क अपराधी सरकारी अधिकारियों के रूप में निर्दोष व्यक्तियों को डराने और जबरन वसूली का कार्य करते हैं। महज वित्तीय नुकसान से परे, ये दुर्भावनापूर्ण कार्यप्रणालियां आजीविका को बाधित करती हैं, विश्वास को खत्म करती हैं और उस आत्मविश्वास को कमजोर करती हैं जो नागरिकों में डिजिटल अर्थव्यवस्था में पूरी तरह से शामिल होने के लिए आवश्यक है। हालांकि, इन उभरते खतरों के विरुद्ध त्वरित प्रतिक्रिया करते हुए हमारे अधिकारियों ने पूरी तत्परता दिखाई है। उन्होंने फर्जी तरीकों से हासिल किए गए मोबाइल कनेक्शनों को काट दिया है और 7.6 लाख शिकायतों के माध्यम से 2,400 करोड़ रूपये से अधिक की राशि की हानि को बचाया। यह महज आंकड़ों को ही नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा और सपनों की सुरक्षा को भी दर्शाता है। अब जबकि हम डिजिटल स्पेस की रक्षा के लिए अपनी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं, हमारे नागरिकों के सहयोग के बिना यह एक निरर्थक कवायद साबित होगी। प्रधानमंत्री (पीएम) नरेन्द्र मोदी का हाल ही में नागरिकों से रुको, सोचो और एक्शन लो का आह्वान इंटरनेट की छाया में बढ़ते खतरों को रेखांकित करते हुए तात्कालिकता और दूरदर्शिता को दर्शाता है। यह आह्वान केवल बढ़ते साइबर अपराधों के विरुद्ध प्रतिक्रिया भर नहीं है, बल्कि एक सतर्क और सक्रिय समाज के निर्माण की दिशा में एक अपील भी है। अपने हालिया 'मन की बात' संबोधन के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने समर्पित हेल्पलाइन 1930 और ष्4ड्डद्दह्यष्ह्लद्बद्दद्द.द्दश1.द्बठ्ठ पोर्टल के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट करने की अनिवार्यता दोहराई। साइबर अपराधियों के विरुद्ध लड़ाई में नागरिकों की भागीदारी पर जोर बेहद अहम है। फिर भी, साइबर अपराधियों ने चालाकी बरतते हुए नई रणनीति विकसित कर ली है और अंतरराष्ट्रीय कॉलों को प्रच्छन्न तरीके से स्थानीय नंबरों (+91-××××××××××) के रूप में दुरुपयोग कर रहे हैं। कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी (सीएलआई) में किया जाने वाला चतुराई भरा यह हेरफेर इन कॉलों को वैध स्थानीय नंबर कॉल के रूप में छिपाना संभव बना देता है, जिससे धोखे का परिदृश्य और भी जटिल हो जाता है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने सक्रिय रूप से हस्तक्षेप करते हुए स्वदेशी रूप से विकसित अंतरराष्ट्रीय इनकमिंग

स्पूफ्ड कॉल्स प्रिवेंशन सिस्टम लॉन्च किया है। यह उपकरण एक बड़ा बचाव साबित हो रहा है, जो 86 प्रतिशत नकली कॉलोंङ्क लगभग 1.35 करोड़ कॉल प्रतिदिन - को रोक रहा है। साइबर-सुरक्षित भारत के हमारे दृष्टिकोण के केन्द्र में नागरिकों का डिजिटल सशक्तिकरण है। 'संचार साथी' प्लेटफॉर्म इस मिशन का प्रतीक है, जिसमें चक्षु जैसे टूल हैं जो उपयोगकर्ताओं को संदिग्ध संदेशों, कॉल और व्हाट्सएप गतिविधियों की रिपोर्ट करने में समर्थ बनाते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शक्ति का लाभ उठाते हुए, डीओटी ने 2.5 करोड़ से अधिक धोखाधड़ी वाले मोबाइल कनेक्शनों का पता लगाया और उन्हें काट दिया, 2.29 लाख से अधिक मोबाइल हैंडसेटों को ब्लॉक कर दिया, 71,000 विक्रेताओं को ब्लैकलिस्ट कर दिया और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपीएस) के माध्यम से 1,900 अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। युवा, तकनीक-प्रेमी आबादी के लाभ के साथ, हमने विद्यार्थियों को भी जमीनी स्तर की पहल में शामिल किया है। देश भर में कॉलेज के विद्यार्थियों ने संचार मित्र स्वयंसेवकों के रूप में कदम बढ़ाया है। ये स्वयंसेवक समुदायों तक पहुंच रहे हैं और 'संचार साथी' पोर्टल के माध्यम से डिजिटल सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैला रहे हैं। ये युवा हिमायती नागरिकों को दूरसंचार धोखाधड़ी को रोकने के लिए उपलब्ध उपकरणों का उपयोग करने में मदद करते हैं। मई 2023 में अपनी स्थापना के बाद से, संचार साथी पोर्टल ने 7.7 करोड़ विजिट और प्रतिदिन औसतन दो लाख उपयोगकर्ताओं के साथ जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की है। इस पोर्टल ने 12.59 लाख चोरी और खोए हुए मोबाइल फोन का पता लगाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस धारणा को मजबूत करते हुए कि साइबर रक्षा और सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है, यह पोर्टल अपने डिजिटल अनुभवों की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध नागरिकों के लिए एक आवश्यक संसाधन बन गया है। स्पैम कॉल, अनचाहे एसएमएस और टेलीमार्केटिंग के खतरे से निपटने के एक निर्णायक प्रयास के तहत, भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए जवाबी उपायों की एक मजबूत श्रृंखला भी लागू की है। नियमों के उल्लंघन पर कठोर दंड लगाया जाएगा, जो डिजिटल विश्वास के उल्लंघन के प्रति शून्य-सहिष्णुता (जीरो-टोलेरेंस) की नीति का परिचायक है। अब तक, ट्राई ने असत्यापित प्रचारात्मक कॉल में संलग्न 800 से अधिक संस्थाओं और व्यक्तियों को ब्लैकलिस्ट कर दिया है, जबकि 1.8 मिलियन से अधिक नंबर काट दिए गए हैं। ऐसी सख्त कार्रवाई एसएमएस संबंधी धोखाधड़ी के मामले में भी की गई है, जिसके तहत 350,000 अप्रयुक्त और असत्यापित मैसेजिंग हेडर और 1.2 मिलियन कंटेंट टेम्पलेट को ब्लॉक कर दिया गया है। हमारी साइबर रक्षा रणनीति के केन्द्र में डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म (डीआईपी) है, जो 460 बैंकों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों सहित 520 से अधिक हितधारकों को एकजुट करता है। यह सहयोग वास्तविक समय में सूचना साझा करने और साइबर खतरों के विरुद्ध समन्वित कार्रवाई को संभव बनाता है। तेजी से विकसित हो रहे इस डिजिटल युग में, साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता देना महज एक सावधानी भर नहीं है। बल्कि यह हमारे देश के डिजिटल भविष्य की सुरक्षा की दृष्टि से एक आवश्यक कदम है। एक मजबूत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, तकनीक-प्रेमी युवा आबादी और मजबूत संस्थागत ढांचे के साथ, भारत ने खुद को डिजिटल इकोसिस्टम में एक अग्रणी देश के रूप में स्थापित किया है। जैसे-जैसे हम इस जटिल परिदृश्य में आगे बढ़ रहे हैं, निरंतर सुधार और अनुकूलनशीलता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ बनी रहेगी। प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुरूप कार्य करते हुए, हम एक सुदृढ़ साइबर व्यवस्था से लैस भारत का निर्माण करेंगे - जहां प्रत्येक नागरिक सुरक्षित, सशक्त और इस डिजिटल युग में फलने-फूलने के लिए तैयार हो।

आलेख

बुरा या सबसे बुरा?

श्रुति व्यास

मंगलवार को किस्मत बदलेगी। कुछ की प्रत्यक्ष तौर पर और कुछ की अप्रत्यक्ष तौर पर। आप और मैं, वे और हम हम सब उनसे' प्रभावित होंगे। %उनसे' मतलब वे जो अमेरिका के अगले राष्टपति बनेंगे। कमला हैरेस या डोनाल्ड ट्रंप ङ्क इनमें से कोई भी राष्टपति बने, पूरी दुनिया पर इसका असर होगा। मुकाबला कड़ा है, कांटे का है, इतना नजदीकी है कि नतीजे का अनुमान लगाना असंभव है। कमला हैरेस और डोनाल्ड ट्रंप दोनों अपनी-अपनी शैली और रणनीति से मतदाताओं को अपने पक्ष में करने का प्रयास करते रहे हैं। अपने कुछ श्रोताओं को उन्होंने निराश किया है तो कुछ में उम्मीदें जगाईं। दोनों के चुनाव अभियान दिलचस्प, आकर्षक और मनोरंजक थे ङ्क शब्दों का मायाजाल था, हाजिरजवाबी थी तो तीखी टिप्पणियां भी थी। कमला हैरेस के पास माहौल को अपने अनुकूल बनाने के लिए केवल सौ दिन थे। चूंकि वे चुनावी मैदान में देर से उतरी, अत॒ उनके पास चुने जाने लायक उम्मीदवार की छवि बनाने के लिए अपेक्षाकृत कम समय था। इस थोड़े से समय में ही उन्होंने अपनी उन्मुक्त हंसी ङ्क जो चेहरे पर चिपकाई हुई नहीं लगती थी ङ्क और अपने आशावाद से सभी को मंत्रमुग्ध किया। उनके कारण चुनाव और चुनाव पर चर्चा में कुछ मसाला घुला और एक उबाऊ मुकाबला, दिलचस्प बन गया। इसका नतीजा यह हुआ कि उन्हें अरबों डालर चंदे के रूप में प्राप्त हुए, रिपब्लिकनों तक का अनुमोदन हासिल हुआ, वे लोकप्रिय पोडकास्टों एवं दिन में प्रसारित होने वाले टीवी और न्यूज नेटवर्कों पर अक्सर नजर आने लगीं और प्रभावशाली व्यक्तियों की पहली पसंद बन गईं। ओबामा से लेकर बियॉन्से, टेलर स्विफ्ट से लेकर हैरिसन फोर्ड, इकोनोमिस्ट से लेकर न्यूयार्क टाईम्स तक से कमला हैरिस को समर्थन और अनुमोदन मिला। और दीपावली आते-आते उनकी जीत पक्की होती नजर आने लगी। हैरिस की ट्रंप पर कुछ प्रतिशत की बढ़त से यह महसूस होने लगा कि बदलाव का क्षण नजदीक आ रहा है। लेकिन कमला का लगातार अपनी बातों को ट्रंप और उनकी जीत के खतरों पर केन्द्रित रखने और अपने सपनों के अमेरिका के बारे में लगभग कुछ न कहने से उनकी छवि धूमिल हुई है। खासतौर से पिछले कुछ दिनों में। पिछले कुछ समय से वे अपनी ब्रांड की राजनीति के लाभ गिनवाने की बजाय, डोनाल्ड ट्रम्प के खतरे गिनवाने लगी थीं। लोगों को अपनी प्रतिबद्धताओं और अपनी सोच से परिचित करवाने की बजाय वे जो बाइडन द्वारा तैयार की गई धुन गुनगुनाने लगी थीं ङ्क इस अशांत दौर में अमेरिका पीछे नहीं हट सकता। इस बीच ट्रम्प वह कहते रहे जो जनता सुनना चाहती थी। उनका हाथ जनता की नब्ज़ पर था। उन्होंने %अमरीकीवाद' की धुन छेड़ डी। उनकी अपील भावनात्मक है, वे अमरीका को फिर से महान बनाने का नारा लगाते हैं, वे राष्ट्रवाद की बात करते हैं और अमेरिकी होने पर गर्व महसूस करने पर जोर देते हैं। वे दर्शन या इतिहास का हवाला नहीं देते। वे किसी मुद्दे की सूक्ष्म पड़ताल में यकीन नहीं रखते। वे मोटी-मोटी बात करते हैं, चिल्लाकर करते हैं और आपको डराते हैं। उनके आलोचक उन्हें पत्थरदिल, विक्षिप्त और तानाशाह बताते हैं ङ्क एक ऐसा व्यक्ति जो सत्ता में आते ही दुनिया को बर्बाद कर देगा और जो भी थोड़ी-बहुत शांति दुनिया में बनी हुई है, उसे भी ख़त्म कर देगा। मगर कुछ अन्यों के लिए ट्रम्प मसीहा हैं। व्यवसायी और पॉडकास्ट मेजबान लांस वल्लानु ने ट्रम्प को %दैवीय बर्बादीलाल बताया है ङ्क मतलब यह कि ईश्वर ने ट्रम्प को बर्बादी लाने के लिए चुना है। और हमारी-आपकी क्या बिसात कि हम ईश्वर या उसके प्रतिनिधि की योजना में खलल डाल सकें? मगर ट्रम्प के भक्तों और राष्टवाद के उपासकों को अगर हम छोड़ भी दें, तब भी यह साफ़ है कि ट्रम्प लोगों को यह भरोसा दिलवाने में सफल रहे हैं कि उनके कार्यकाल में अमरीका की खासी प्रतिष्ठा थी, दुनिया में कोई युद्ध नहीं चल रहा था, प्रवासी देश में नहीं घुस पाते थे और देश की अर्थव्यवस्था दिन-दूनी, रात-चौगुनी गति से बढ़ रही थी। उन्होंने सफलतापूर्वक यह नैरेटिव गढ़ लिया है कि जो बाइडन ने नेतृत्व में अमरीका की स्थिति डावांडोल है और हैरिस इसमें कोई बदलाव नहीं ला पाएंगी। कमला हैरिस में आकर्षण और ग्लैमर हैं, उनमें जोश और उत्साह है मगर वे अपने चुनाव प्रचार के दौरान कभी स्वयं को जो बाइडन और उनके कार्यकाल से अलग नहीं कर पायीं। वे लोगों को यह नहीं समझा सकीं कि अगर वे सत्ता में आईं, तो वे अपने हिसाब से काम करेंगीं ङ्क उनका कार्यकाल बाइडन 2 ।0 नहीं होगा। नतीजे में उनकी चमक फीकी पडने लगी।

न शर्म न हया संविधान की रोज हत्या. ?

ओमप्रकाश मेहता

भारतीय आजादी के इस हीरक वर्ष में कभी विश्वगुरू' का दर्जा प्राप्त हमारा देश अब किसी का शिष्य' बनने के काबिल भी नही रहा है, यद्यपि हमारे भाग्यविधाता सत्तारूढ़ नेता विश्वभर में जाकर अपनी खुद की प्रशंसा करते नहीं थकते, किंतु वास्तव में हमारी स्थिति उस मयूर जैसी है जो प्रगति के बादल देखकर अनवरत् नाचता है और उपलब्धि के अभाव में बाद में आंसू बहाता है। आजादी के बाद से हमारे देश में भी राजनीति के अलग-अलग दौर रहे है, जवाहरलाल के जमाने की राजनीति प्रगति की कल्पना पर आधारित थी तो इंदिरा जी के जमाने से सत्ता के लिए सब कुछ करने की राजनीति का दौर शुरू हो गया और उन्होंने अपनी कुर्सी की रक्षा के लिए आपातकाल जैसा कदम उठाया, किंतु आज की राजनीति उसे भी आगे निकल गई है और आज कुर्सी के खातिर संविधान को भी बख्शा नही जा रहा है और वह सब किया जा रहा है, जिससे कुर्सी बची रहे। लेकिन सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि आजादी के बाद से अब तक सब कुछ बदला किंतु राजनैताओं की सोच और मतदाता की समझ में कोई बदलाव नही आया, आज के राजनेता आजादी के पचहत्तर साल बाद भी चुनाव की उसी लीक पर चल रहे है जो प्रथम चुनाव के समय 1951 में देखी गई थी, आज भी राजनीति वादों और आश्वासनों पर टिकी है और आज के आम मतदाता को राजनेता उसी 1951 वाली नजर से ही देखते है और वैसा ही सलूक करते है, कभी प्रगति और विकास के नाम पर मांगे जाने वाले वोट आज धार्मिक नारों के आधार मांगें जा रहे है, सत्तापक्ष भाजपा यदि आज बंटेगें तो कटेगें' का नारा लगा रहा है तो प्रतिपक्षी दल जुड़ेगे तो जीतेगें' को अपनी जीत का माध्यम बना रहा है, यद्यपि सत्ता व प्रतिपक्ष के इन दोनों का मतलब एक ही है, किंतु दोनों का अपने नारों पर विश्वास अलग है, किंतु दोनों के नारों का लक्ष्य वही एक कुर्सी'' है। यहां सबसे दुखद यह है कि हमारे संविधान में साफ-साफ लिखा है कि धर्म को राजनीति से बिल्कुल अलग रखेगें, किंतु आज धर्म और राजनीति का इतना समागम कर दिया है कि अब वोटरों के लिए धर्म और राजनीति दोनों को ही सही अर्थों में समझना मुश्किल हो रहा है, किंतु किया क्या जाए? आज जब सत्ता की कुर्सी ही अहम् हो गई है और उसके लिए अपना सर्वस्व लुटा देने वाली राजनीति शुरू हो गई है, तो इसके सामने सभी तर्क और प्रयास गौंण हो गए है और सबसे अधिक चिंता और खेद की बात यह है कि हमारी नई पीढ़ी या भारत के भविष्य को भी इसी तरह की राजनीति का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो चिंताजनक है। और आज की सबसे बड़ी चिंता व फिक्र की तो यह बात है कि सत्ता की धुरी अर्थात् देश के आम मतदाता को तो उसके भाग्य पर छोड़ दिया है और पांच साल में एक बार लुभावने नारों के साथ उसका द्वार खटखटाया जाता है और फिर उसे भगवान के भरोसे छोड़कर आज की राजनीति के भगवान आराध्य देव की तरह साल में केवल चार महीनें नही बल्कि चार साल के लिए मुंह ढंक कर गहरी निद्रा में खो जाते है, हमारे आम मतदाता अपने जीवन के हर क्षेत्र में चाहे निपुण हो गया हो, किंतु राजनीतिक सोच और राष्टऊ के प्रति कर्तव्य के मामले में आज भी शून्य ही है, हमारे मान्यवर राजनेताओं ने उसे अपनी व्यक्तिगत पारिवारिक उलझनों में ऐसा उलझा कर रखा कि उसे अपने कर्तव्य, दायित्व या अधिकारों के बारे में सोचने-विचारने का वक्त ही नही दिया, वह चौबीसों घण्टें अपनी नीति जिन्दगी की सोच में ही डूबा रहता है। इस तरह कुल मिलाकर आज की राजनीति से जनसेवा' का पूरी तरह लोप हो चुका है और वह पूरी तरह स्व-सेवा' बनकर रह गई है और देश व राष्ट तथा समाज के बारे में सोचने के लिए किसी के भी पास वक्त नही है।

चमक पर ग्रहण क्यों?

वित्तीय बाजारों की चमक ही एकमात्र पहलू है, जिस पर भारत के आर्थिक उदय का सारा कथानक टिका हुआ है। वरना, निवेश-उत्पादन-वितरण की वास्तविक अर्थव्यवस्था किसी कोण से चमकती नजर नहीं आती। अब वित्तीय बाजारों पर भी ग्रहण के संकेत हैं। अक्टूबर में विदेशी पोर्टपोलियो निवेशकों (एफपीआईज) ने भारतीय बाजारों से लगभग 94,000 करोड़ रुपये निकाल लिए। यह अभूतपूर्व है। इसके पहले किसी एक महीने में एफपीआईज ने इतनी बड़ी निकासी नहीं की थी। कोरोना महामारी ने जब दस्तक दी थी, तब मार्च 2020 में इन निवेशकों ने 61,973 करोड़ रुपये निकाले थे, जो अब तक का रिकॉर्ड था। ताजा निकासी का नतीजा हुआ कि अक्टूबर में भारतीय शेयर बाजार सूचकांक में आठ प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। लाजिमी है कि इस घटनाक्रम ने भारत के वित्तीय प्रबंधकों की चिंता बढ़ाई है। आखिर, वित्तीय बाजारों की चमक ही एकमात्र पहलू है, जिस पर भारत के आर्थिक उदय का सारा कथानक टिका हुआ है। वरना, निवेश-उत्पादन-वितरण की वास्तविक अर्थव्यवस्था किसी कोण से चमकती नजर नहीं आती। उलटे अब तो केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने भी उपभोग एवं मांग गिरने की हकीकत को मान लिया है। अक्टूबर में वास्तविक अर्थव्यवस्था से जुड़े कारोबारी और यहां तक कि वित्तीय अखबार भी यह कहने को मजबूर हुए कि भारत में मध्य वर्ग सिकुड़ रहा है। जबकि दुनिया में जो भी देश विकसित हुए है, उनकी आर्थिक समृद्धि मध्य वर्ग के विस्तार पर टिकी रही है। भारत में अब सामने यह है कि एकमात्र चमकते पक्ष पर भी ग्रहण लग रहा है। जानकारों ने इसके दो कारण बताए हैं। पहला यह कि भारतीय शेयर ओवरवैल्यूड हैं- यानी उनकी स्वाभाविक कीमत जितनी होनी चाहिए, उससे ज्यादा कर दी गई है। दूसरा, यह कि चीन प्रोत्साहन पैकेज देकर अपने शेयर बाजारों को संभाल रहा है, जिससे विदेशी निवेशकों को वहां पैसा लगाना ज्यादा फायदेमंद दिखने लगा है।

सामाजिक समरसता के लिए लगातार सक्रिय संघ

उमेश चतुर्वेदी

संघ को संकुचित अर्थों में हिंदुत्व का समर्थक बताया जाता रहा है। ऐसा करते वक्त सावरकर के उस विचार को भुला दिया जाता है, जो यह बताता है कि भारत वर्ष में जो भी जन्मा है, वह हिंदू है। तीन देशों की सीमाओं में बंट चुके भारत में मौलिक रूप से कोई गैर हिंदू है ही नहीं। मौजूदा दौर में शासन की सबसे बेहतरीन व्यवस्था जिस संसदीय लोकतंत्र को माना गया है, उसकी एक कमजोरी है। वोट बैंक की बुनियाद पर ही उसका समूचा दर्शन टिका है, इसलिए समाज को बांटना और उसके जरिए भरपूर समर्थन जुटाना उसकी मजबूरी है। यही वजह है कि कभी वह जानबूझकर, तो कभी अनजाने में समाज को बांटने की कोशिश करती नजर आती है। राजनीति के इन संदर्भों पर जब गौर करते हैं तो उसके ठीक उलट वैचारिकी से आगे बढ़ता हुआ एक संगठन दिखता है। निश्चित तौर पर वह संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। शतकीय यात्रा की ओर बढ़ रहा संघ हिंदू समाज को एक रखने के ध्येय वाक्य से रंच मात्र भी पीछे नहीं हटा। लेकिन राजनीति को जब भी मौका मिलता है, वह संघ को अपने दायरे में खींचने और उसको सवालों के कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करने लगती है। राजनीति को संघ को सवालों के घेरे में लाने का मौका हाल ही में मथुरा में दिए सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के बयान से मिला है। दत्तात्रेय होसबोले ने हिंदू समाज को एक रखने के संदर्भ में योगी आदित्यनाथ के बयान 'कटोगे तो बंटोगे' का समर्थन किया है। योगी आदित्यनाथ ने पहली बार यह विचार अगस्त महीने में लखनऊ में कल्याण सिंह की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में जाहिर किया था। उन दिनों बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्तापलट की घटना ताजा थी। उसके बाद वहां के अल्पसंख्यकों यानी हिंदुओं पर चौतरफा हमले और अत्याचार जारी थे। उसका हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने हिंदू समाज को इस नारे के जरिए एक रहने का संदेश दिया था। चूंकि भारतीय राजनीति का एक बड़ा हिस्सा अब भी सेकुलरवाद के चश्मे से ही दुनिया को देखता है, लिहाजा उसके निशाने पर आदित्यनाथ का यह बयान आना ही था। आदित्यनाथ का यह बयान राजनीति की दुनिया के उनके विरोधियों को घोर सांप्रदायिक लगना ही था। और जब इस बयान का दत्तात्रेय होसबोले का भी साथ मिल गया तो सांप्रदायिकता के छद्म विचार के आवरण में राजनीति करने वाली ताकतों को मौका मिलना स्वाभाविक है। संघ को संकुचित अर्थों में हिंदुत्व का समर्थक बताया जाता रहा है। ऐसा करते वक्त

सावरकर के उस विचार को भुला दिया जाता है, जो यह बताता है कि भारत वर्ष में जो भी जन्मा है, वह हिंदू है। तीन देशों की सीमाओं में बंट चुके भारत में मौलिक रूप से कोई गैर हिंदू है ही नहीं। पाकिस्तान के पत्रकार वसीम अल्ताफका ट्वीट दीपावली के दिन एक्स पर चर्चा में रहा। जिसमें उन्होंने लिखा था कि काश उनके भी पूर्वज कुछ और तनकर खड़े रहते तो उन्हें भी होली और दीपावली जैसे उत्साह वाले त्योहार मनाने को मिलते। अपने इस ट्वीट के जरिए एक तरह से वे जाहिर कर रहे थे कि उनके पूर्वज भी हिंदू ही थे। संघ इसी विचार को मानता है, भारतीय यानी हिंदू। भारतीय समाज को कभी सांप्रदायिकता के आवरण में बांटा गया तो कभी जाति की संकीर्ण सोच के बहाने। संघ अपने जन्म से ही दोनों ही वैचारिकी का विरोध करता रहा है। इसके बावजूद उस पर कभी ब्राह्मणवादी होने तो कभी कुछ का आरोप लगता रहा है। किसी भी संगठन के किसी भी व्यक्ति के निजी तौर पर अपने विचार हो सकते हैं, उसकी सोच का असर उसके व्यक्तित्व पर पड़ सकता है। लेकिन वैचारिक रूप से संघ में ऊंच-नीच, भेदभाव की सोच नहीं रही है। महात्मा गांधी ने भी संघ के 1934 के वर्धा के शिविर का दौरा किया था। संघ के उस शिविर में छूआछूत और ऊंचनीच का भाव न देखकर गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे। उन दिनों गांधी जी छूआछूत के खिलाफ अभियान चला रहे थे। उन्होंने तब माना था कि संघ के ऐसे प्रयास भारतीय समाज में बराबरी का भाव लाने में सफल हुए। राजनीति अक्सर महात्मा गांधी को लेकर संघ पर आरोप लगाती है कि वह महात्मा गांधी को नहीं मानता। संघ को सामाजिक रूप से बांटने को लेकर जब भी हमला किया जाता है, अक्सर गांधी विचार का ही सहारा लिया जाता है। हालांकि संघ ने कभी ऐसी कोई मंशा जाहिर नहीं की। उलटे गांधी संघ के समानता के विचारों से प्रभावित रहे। जिसकी तसदीक उनके द्वारा ही प्रकाशित हरिजन पत्रिका के 28 सितंबर 1947 के अंक में प्रकाशित एक रिपोर्ट करती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, गांधी जी ने दिल्ली में सफाईकर्मियों की बस्ती में हुए संघ के एक कार्यक्रम में 16 सितंबर 1947 को हिस्सा लिया था। इस रिपोर्ट में लिखा है,गांधी जी ने कहा कि वे कई साल पहले वर्धा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर में गए थे, जब संस्थापक श्री हेडगेवार जीवित थे। स्वर्गीय श्री जमनालाल बजाज उन्हें शिविर में ले गए थे और वे (गांधी) उनके अनुशासन, अस्पृश्यता की पूर्ण अनुपस्थिति और कठोर सादगी से बहुत प्रभावित हुए थे। पहले कर्नाटक और बाद में बिहार में हुई जाति जनगणना के बाद राजनीति का एक हिस्सा पूरे देश में जाति जनगणना कराने को लेकर अभियान छेड़े हुए है। भारत में पहली बार जाति जनगणना 1931 में हुई थी। अंग्रेजों ने इसका इस्तेमाल भारत में अपने राज बचाने की कोशिश के रूप किया था।

सिद्धचक्र महामंडल विधान : जितनी आप शुद्धि रखोगे उतनी आपकी विशुद्धि बढ़ती चली जाएगी : मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। यह सिद्धचक्र महामंडल विधान कोई साधारण पूजा नहीं, 108 श्री जी के साथ 108 सिद्धयंत्र 108 मंडल स्थापित हों, उसका जाप अनुष्ठान और सिद्ध मंत्रो के साथ बार बार उच्चारण हो रहा हो उसे विधान कहते है। उपरोक्त उद्गार मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के प्रथम दिन विजय नगर के विशाल पांडाल में व्यक्त किये।

मुनि श्री ने कहा कि इस अनुष्ठान से यहां की ऊर्जा अनंत गुणा बड़ गयी है, उसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते, उन्होंने चार बातें शुद्धि-विशुद्धि-अनुशासन-और तन्मयता की बात करते हुये कहा कि जितनी-जितनी आप शुद्धि रखोगे उतनी-उतनी आपकी विशुद्धि बढ़ती चली जाऐगी। उन्होंने सचेत करते हुये कहा कि इस विधान में अकेले आप ही भाग नहीं ले रहे है इसमें सिद्ध परमात्माओं को भी आव्हान किया गया है और न जाने कितनी शक्तियाँ यंहा से जुड़ गयी है, जो भी इस सभा मंडप में प्रवेश करे वह अपने बस्त्रों की पूर्ण शुद्धि बनाकर ही प्रवेश करे, अन्यथा विपरीत परिणाम भी हो सकते है इसलिए महिलाऐं अशुद्धि की हालत में हें तो बिल्कुल भी न आऐं, अन्यथा उनके साथ कुछ भी अनर्थ हो सकता है इस बात का सभी ध्यान रखेंगे।

मुनि श्री ने कहा कि इतना बड़ा आयोजन है, जिन बातों से हमारी विशुद्धि कम होती है उन बातों को आप लोग नजरअंदाज कर दैना आगे पीछे हो जाओ तो अपने मन को बिल्कुल भी खट्टा मत करना उन्होंने सबसे पीछे बाले मंडल को विशेष आशीर्वाद देते हुये कहा कि सभी लोग जितना अधिक अनुशासन बनाकर रखेंगे उतना ही आपको आनंद आऐगा, और आपका यह विधान विना विघ्न के पूर्ण होगा और आपकी सारी चिन्ताऐं खत्म हो जाऐगी मात्र प्रभु के प्रति तन्मयता रखो, तन्मयता से घोर संकट भी टल जाऐंगे।

उन्होंने उदाहरण देते हुये कहा कि गुरु शिष्य एक जंगल में पेड़ के नीचे सामायिक कर रहे थे गुरु तो तन्मय थे लेकिन शिष्य की नजर नजदीक आते हुये शेर पर पड़ी तो उसने गुरु को सचेत किया गुरूदेव उठो शेर आ रहा है, लेकिन गुरुदेव ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की वह तो आत्मा में लीन थे उन्होंने कुछ भी नहीं सुना, और अपनी तपस्या में लीन रहे, शिष्य ने देखा और डरकर वह पेड़ पर चड़ गया, शेर आया उसने गुरु को सूंघा तथा तीन प्रदिक्षणा दी और चला गया।थोड़ी देर बाद गुरुदेव उठे दिन निकल आया था रास्ते में आगे बड़े कि एक मच्छर गुरदेव के कांधे पर बैठा तो गुरु ने उसे हाथ से हटाया तो शिष्य को घोर आश्चर्य हुआ और कहा कि उधर जब शेर आया तो आप उससे डरे नहीं? और इधर एक मच्छर से डर गये? तब गुरु ने शिष्य से कहा किजब शेर आया था तो मुझे नहीं मालुम में तो भगवान के साथ था, और जब मच्छर आया तो तुम मेरे साथ में हो उन्होंने कहा कि भगवान के साथ रहोगे तो सारे दु:ख दर्द भूल जाओगे, और तन्मयता बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि विधान तो पहले भी बहूत हुये है लेकिन इतने बड़े स्तर का यह पहला विधान है तथा व्यवस्था भी वहुत बड़ी है, थोडी अव्यवस्था हो सकती है, इसलिये उसमें आपका सहयोग तथा अनुशासन आवश्यक है उन्होंने सभी से कहा कि प्रतिष्ठाचार्य जो भी निर्देश दें उनका पालन आवश्यक रुप से सभी को करना है। प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया प्रात:6 बजे श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के पात्रों की शुद्धि के साथ मोहताभवन में अभिषेक एवं शांतिधारा उपरांत मुनिसंघ के सानिध्य में घटयात्रा प्रारंभ हुई जिसमें आगे आगे सीमेंट के सफेद हाथी चल रहे थे उसके पीछे बेंड बाजों के साथ सौभाग्यवती महिलाएं अपनी मंगल डिरेस में अपने सिर पर मंगलकलश को धारण कर मंगल गीत गाते हुये चल रही थी उसके पीछे मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज मुनि श्री निर्वेगसागर महाराज मुनि श्री संधान सागर महाराज एवं सभी क्षुल्लक चल रहे थे ठीक पीछे संघस्थ ब्रहम्चारी एवं उदासीन आश्रम की बहनें भक्ती भाव के साथ चल रही थी।लगभग चार किलोमीटर चलने के उपरांत घटयात्रा विजयनगर स्थित चौराहे पर बने विशाल पांडाल के सामने पहुंची मुनिसंघ के सानिध्य में ध्वजारोहण हुआ ध्वजा उत्तर दिशा की ओर गयी जो कि कार्य की निर्विघ्न पूर्णता और समृद्धि का सूचक है।ध्वजारोहण आकाश कोयला परिवार ने किया वंही मंडप उदघाटन नवीन आनंद गोधा परिवार ने कर कार्यक्रम का मंगलाचरण करते हुये मुनिसंघ ने मंगल प्रवेश कर मंचासीन हुये। धर्म प्रभावना समिति के मीडिया प्रभारी राहुल जैन अध्यक्ष अशोक रानी डोसी महामंत्री हर्ष जैन, कार्यक्रम अध्यक्ष धर्मेन्द्र जैन सिन्केम भोजन व्यवस्था के पुण्यार्जक गिन्नी परिवार सहित मुनिसंघ की भव्य मंगल अगवानी की। प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया इस अवसर पर बड़ी संख्या में देश विदेश में यह कार्यक्रम जिनवाणी पारस तथा प्रमाणिक यू टियूव चैनल के माध्यम से देखा जा रहा है एवं लोग अपने अपने घरों में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान की यह महापूजा कर रहे है। मुनि श्री ने सभी को मंगल आशीर्वाद दिया और कहा कि इससे घर की विशुद्धि बड़ेगी और नैगेटिविटी समाप्त होगी। -**अविनाश जैन**

आचार्य श्री पद्मनंदी जी महाराज और चर्या शिरोमणी आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज संसघ का हुआ मंगल मिलन

नांदणी (विश्व परिवार)। जयदु जिणिंदो महावीरों। आचार्य पद्मनंदी महाराज और चर्या शिरोमणी आचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी महाराज संसघ मंगल मिलन कुन्नूर में हुआ। चर्या शिरोमणी आचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी महाराज संसघ का मंगल विहार गोम्मटेश बाहुबली श्रवणबेलगोळ कर्नाटक के लिए चल रहा है।

संभवता 25/11/24 की शाम को या 26/11/24. की सुबह आचार्य श्री विशुद्धसागर जी ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश दक्षिण भारत के सुप्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र गोम्मटेश बाहुबली श्रमणबेलगोला जी कर्नाटक मे होगा।

चर्याशिरोमणी आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज सहित उनके 19 शिष्य- श्रमण मुनि श्री सुव्रतसागर जी, विशेषता- हिंदी टिकाकार, उपाधि- साहित्याचार्य। श्रमण मुनि श्री साम्य सागर जी, विशेषता- संस्कृत अध्ययन- अध्यापन में रुची, उपाधि- संस्कृत- प्रवीण। श्रमण मुनि श्री संजयंत सागर जी, विशेषता- योग विद्या प्रवीण, उपाधि- आत्म - बिहारी। श्रमण मुनि श्री यशोधर सागर जी, विशेषता- वैयावृत्ती निपुण, उपाधि- गुरू चरणानुरागी। श्रमण मुनि श्री यत्न सागर जी, विशेषता- सुरु- साधक, उपाधि- यत्नशील। श्रमण मुनि श्री निर्ग्रन्थ सागर जी, विशेषता- सरल हृदय, उपाधि- आदर्श-शिष्य। श्रमण मुनि श्री निर्मोह सागर जी, विशेषता- प्रण-प्रिय साधक, उपाधि- श्रुत-निष्ठ। श्रमण मुनि श्री निसंग सागर जी, विशेषता- प्रज्ञावान, हसमुख, उपाधि- आत्मनुशासक। श्रमण मुनि श्री निर्विकल्प सागर जी, विशेषता- साधना- अनुरक्त, उपाधि- निर्लिप्त-साधक। श्रमण मुनि श्री जितेंद्र सागर जी, विशेषता- दृढता, विनम्रता, उपाधि- आत्म-चिंतक। श्रमण मुनि श्री सुभग सागर जी, विशेषता- विधी विधान निपुण, उपाधि- प्रतिष्ठा-प्रज्ञ। श्रमण मुनि श्री सिद्ध सागर जी, विशेषता- अध्ययनशील, उपाधि- स्वाध्याय-प्रिय। श्रमण मुनि श्री सिद्धार्थ सागर जी, विशेषता- ब्राम्ही लिपी अनुवादक, उपाधि- गुरुभक्त। श्रमण मुनि श्री सहर्ष सागर जी, विशेषता- दयालू करुणावंत, उपाधि- प्रसन्नधिया। श्रमण मुनि श्री सत्यार्थ सागर जी, विशेषता- वैयवृत्ती में तत्पर, उपाधि- गुरू चरणानुगामी। श्रमण मुनि श्री सार्थक सागर जी, विशेषता- तप त्याग अनुरक्त, उपाधि- अंतेवासीन। श्रमण मुनि श्री सार्थ सागर जी, विशेषता- नितिज्ञ, उपाधि- सर्वांग सुंदर। श्रमण मुनि श्री समकित सागर जी, विशेषता- ज्ञान ध्यान प्रवीण, उपाधि- आत्म ध्यानी। श्रमण मुनि श्री सम्यक सागर जी, विशेषता- संघर्षशील, उपाधि- भक्त वत्सल। आगामी भव्य पंचकल्याणक श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जैनरगुत्ती हासन (कर्नाटक) 28 नबम्बर 2024 से 4 दिसम्बर 2024 तक संपन्न होगा। नमोस्तु शासन जयवंत हो। -**अभिषेक अशोक पाटील**

साइकिल चलाकर पहुंचे गुरु के पास, मिला आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज का मंगलमय आशीर्वाद

नांदणी (विश्व परिवार)। इचलकरंजी के नितेशजी पाटनी ने बताया कि अहिंसा, शाकाहार, व्यंसनमुक्ति, पर्यावरण जागृति, राष्ट्रीय एकता, ऐसे महान उद्देश्यों का प्रचार प्रसार करने हेतु पुनः एक बार साइकिल यात्रा उदगांव-जयसिंगपूर-नांदणी से निकली और 550 कि. मी. यात्रा पुरी हुई कुलचाराम, हैदराबाद पहुचकर। मात्र 4 दिन में 25 से ज्यादा गुरु के दीवाने, से कुलचाराम पहुंचे, करीब 550 किमी की साइकिल चलाकर। दिनांक 7 नवम्बर 2024 गुरुवार के दिन गुरु के पास पहुचे और मिला अंतर्मना गुरुदेव आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज, उपाध्याय मुनि श्री 108 पीयूष सागर जी महाराज एवं ससंघ का मंगलमय आशीर्वाद। इस साइकिल यात्रा का उद्देश्य अहिंसा, शाकाहार, व्यसनमुक्ति, पर्यावरण जागृति, राष्ट्रीय एकता, ऐसे महान उद्देश्यों का प्रचार प्रसार करने हेतु। साधना महोदधि अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी एवं आचार्य चंद्रप्रभ सागर जी के मंगल आशीर्वाद से.. इस साइकिल यात्रा का प्रारंभ आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज एवम ससंघ के मंगलमय आशीर्वाद से जयसिंगपूर-नांदणी से प्रारंभ हुआ था। प्रमुख उपस्थिति- इचलकरंजी से अजीत जैन और नितेशजी पाटनी, बैंगलोर से वैभव जी जैन थे। नमोस्तु शासन जयवंत हो। **-अभिषेक अशोक पाटील**

आचार्य श्री प्रसन्नसागर जी महाराज ने कुलचाराम हैदराबाद से कहा- पैसा और मजाक सोच-समझ कर उड़ाना चाहिए

औरंगाबाद (विश्व परिवार)। माना कि पैसे कमाने के हजारों मार्ग है और साधु सन्तों के पास तीन मार्ग पैसा बटोरने के - मन्दिर, मूर्ति और पूजा विधान, शान्तिधारा, शेष उन्मार्ग है। पैसा कमाने का उद्देश्य गलत नहीं है लेकिन ज्यादातर साधु सन्त अपने उद्देश्य से भटक जाते हैं, अपनी विस्तार वादी नियत और नीति के कारण। जैसे अमृत निकालने के लिये समुद्र मन्थन किया, 14 रत्न निकले। लोग अमृत को भूल गये, केवल लक्ष्मी पर टिक गये।

हम साधु सन्त भी अपने लक्ष्य को भूल कर लक्ष्मी पर अटक गये और यह भटकाव अच्छे उद्देश्य को भी खराब बना देता है। यदि पुण्य के खजाने को किफायत से खर्च ना किया जाये तो बड़े से बड़ा खजाना भी खाली हो जाता है। कहने का मतलब है आवश्यक व्यय में कमी ना लाये, ना कृपण बने लेकिन पुण्य के अपव्यय से बचें। मितव्ययिता के मन्त्र को अपनायें, यानि सदुपयोग करें। भारतीय संस्कृति में मितव्ययिता को सम्मान मिला है। जैन दर्शन या जैन संस्कृति की अवधारणा है कि कम से कम वस्तुओं में जीना सीखें, वस्तुएं उतनी ही लेनी चाहिए जितनी आवश्यक हो। यही कल्याणकारी अर्थ शास्त्र की परिभाषा और जीवन जीने का तरीका है। अन्यथा इस जीवन में जर, जोरू और जमीन से, कभी तृप्ति मिलने वाली नहीं है। इसलिए आडम्बर मुक्त होकर सरल साधु का जीवन जीयें। सादगी, संयम और परोपकार को आत्मसात करें। मितव्ययिता एक संस्कार है जो सबके भीतर होना चाहिए। माता-पिता, धर्म गुरूओं को चाहिए कि वो भी मितव्ययी बने और नई युवा पीढ़ी में मितव्ययी का संस्कार विकसित करें, जिससे हम भौतिक संसाधनों की चकाचौंध से बच सकें। -**नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल**

आत्मोल्लास चातुर्मास : विवेकानंद नगर में पंचाह्निका महोत्सव आज से

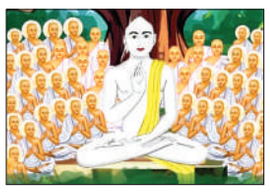

रायपुर। श्री संभवनाथ जैन मंदिर विवेकानंद नगर में आत्मोल्लास चातुर्मास 2024 सम्पूर्णता की ओर है। 8 से 12 नवंबर तक पंचाह्निका महोत्सव का आयोजन भक्तिमय वातावरण में होगा। मुनिश्री जयपाल विजयजी म.सा., मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी म. सा,मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी म. सा,साध्वी रत्ननिधिश्रीजी म.सा, साध्वी रिद्धिनिधि श्रीजी म.सा आदि ठाणा के शुभ सानिध्य में यह आयोजन होंगे। श्वेतांबर मूर्ति पूजक समाज एवं चातुर्मास समिति ने बताया कि सभी कार्यक्रम प्रथम बार नवीन रूप में हो रहे हैं एवं वंदनावली के द्वारा किया जा रहा है। 8 नवंबर को भावभीनी 18000 गुरु वंदना हर्षिल शाह अहमदाबाद के संगीतमय कार्यक्रम के साथ होगी। 9 नवंबर को गुरु पादुका पूजन सप्तर्षि वंदना हर्षिल शाह के संगीतमय कार्यक्रम के साथ होगी। 10 नवंबर को भूतल के भगवान- मातृ पितृ वंदन हर्षित मुंबई के संगीतमय कार्यक्रम के साथ होगी। 11 नवंबर को जिन भक्ति त्रिलोक तीर्थ वंदना दीप शाह बड़ौदा के संगीतमय कार्यक्रम के साथ होगी। 12 नवंबर को परम पूज्य मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी म.सा के संयम रजत वर्ष निमित्त संयम उपकरण वंदना हर्षित मुंबई के संगीतमय कार्यक्रम के साथ होगी। प्रतिदिन अनुष्ठान प्रात: 9 बजे शुरू होंगे।

ग्राम पूरा विरधा में हुआ आर्यिका माता का ससंघ मंगल प्रवेश

मन: स्थिति का नाम संसार है जिसमें कोई बिखर जाता है, कोई निखर जाता है : आर्यिका सृष्टि भूषण

आज पावागिरि की पावन धरा पर होगी भव्य आगुवानी

सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं वार्षिक मेला में मिलेगा पावन सानिध्य

ललितपुर (विश्व परिवार)। सिद्ध क्षेत्र पावागिरि में 8 से 15 नवंबर तक सिद्ध चक्र महामंडल विधान एवं 17 से 20 नवम्बर तक वार्षिक मेला के आयोजन में सानिध्य प्रदान करने के लिए परमपूज्य आर्यिका गणिनी सृष्टिभूषण माता जी ने आशीर्वाद प्रदान किया है। अत: टीकमगढ़ में चातुर्मास पूर्ण कर आर्यिका गणिनी सृष्टिभूषण माता, विश्वयज्ञ मति माता एवं आप्तमति माताजी का विहार पावागिरि के लिए चल रहा है। विकासखंड तालबेहट अंतर्गत हसारकलां के विद्यालय में रात्रि विश्राम के उपरांत 7 नवंबर को आर्यिका माता का ससंघ मंगल प्रवेश ग्राम पूरा विरधा में हुआ तो जैन धर्माबिलंबियों ने ढ़ोल बाजों के साथ जयकारे लगाते हुए पाद पृच्छालन कर भव्य आगुवानी की। सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के दर्शन कर आर्यिका गणिनी सृष्टिभूषण माता जी धर्मशाभा को सम्बोधित करते हुए कहा मन: स्थिति का नाम संसार है जिसमें कोई बिखर जाता है, कोई निखर जाता है। कुछ भी मिल जाये लेकिन कभी तृप्ति नहीं हो सकती। जो इंसान से प्यार नहीं कर सकता वह भगवान से क्या प्यार करेगा? जिंदगी में कभी उदास मत होना, जिंदगी में कभी निराश मत होना। भगवान की कृपा से तुम्हें सब कुछ मिला है तुम उसे क्या दोगे यदि देना है तो दिल दे दो तुम्हारा कल्याण हो जायेगा। समता परिणाम रखकर जीवन में सहज होना सीखो, भगवान का मार्ग से पहले इंसानियत और मानवता होना चाहिए। आहारचर्या के उपरांत आर्यिका संघ का विहार ग्राम गुन्देरा के लिए हुआ जहाँ रात्रि विश्राम के उपरांत शुक्रवार को सिद्ध क्षेत्र पावागिरि की पावन धरा पर मंगल प्रवेश होगा। इस दौरान क्षेत्र प्रबंध समिति के अध्यक्ष ज्ञानचंद पुरा, कोषाध्यक्ष उत्तम चंद्र भड़रा, उपाध्यक्ष विशाल जैन पवा, सिंघई सुरेश चंद्र जैन बबीना, अमित जैन कड़ेसरा सहित सकल दिगम्बर जैन समाज विरधा एवं टीकमगढ़ का सक्रिय सहयोग रहा। संचालन अजय जैन आभार व्यक्त पुष्पेंद्र जैन ने किया।

-**विशाल जैन पवा**

गुरु मां श्री मनोहर कंवर जी के 63वें दीक्षा दिवस पर आयोजन, आगम सम्मान यात्रा एवं दीक्षार्थी का वरगोडा

दुर्ग (विश्व परिवार)। दुर्ग वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक श्रवण संघ के बैनर तले आज ओसवाल भवन जवाहर चौक दुर्ग से जय आनंद मधुकर रतन भवन तक आगम सम्मान यात्रा निकाली गई जिसमें श्रमण संघ परिवार के साथ-साथ वर्धमान सेवा मंच श्रमण संघ महिला मंडल श्रमण संघ स्वाध्याय मंडल के सदस्य सह जोड़े इस सम्मान यात्रा में भाग लिए जैन आगम को महिलाएं सजी हुई थालियां के साथ जैन आगम को हर थाली में विराजमान किया गया चुनरी प्रिंट की साड़ियों के साथ महिलाएं हर्ष और उल्लास के वातावरण में इस यात्रा में साथ-साथ चल रहे थे भगवान महावीर के जयकारों गुरु भगवंतो के जयकारों के साथ यह यात्रा ओसवाल भवन दुर्ग से जय आनंद मधुकर रतन भवन पहुंची जहां उपस्थित लोगों ने इस यात्रा का स्वागत किया। 10 फरवरी को दीक्षा लेने वाले संयमी साधक कल्पेश कुमार की भव्य शोभायात्रा निकल गई भाई कल्पेश कुमार आगामी 10 फरवरी को जोधपुर राजस्थान में दीक्षा ग्रहण करेंगे।

जय आनंद मधुकर रतन भवन बांधा तालाब दुर्ग में साध्वी डा सु मंगल प्रभा जी, साध्वी डा सुवृद्धि श्री जी, के सानिध्य में धर्म सभा आयोजित आयोजित थी जिसमें साध्वी गुरु मां मनोहर कंवर जी के जीवन दर्शन पर केंद्रित था साध्वी रजत प्रभा, जी ने धर्म सभा को सम्बोधित किया तथा कार्यक्रम का सफल संचालन श्रवण संघ महिला मंडल की अध्यक्ष रचिता श्री श्रीमालने किया इस अवसर पर श्रमण संघ महिला मंडल की सदस्यों ने अतिथियों के आगमन पर स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

गुरु गुण गरिमा पुस्तक तथा पांच दिवसीय स्वाध्याय सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन : आज धर्म सभा में प्रवचन प्रभाविका साध्वी डा सु मंगल प्रभा जी द्वारा संकलित पुस्तक का विमोचन गुरु गुण गरिमा पुस्तक का विमोचन राजस्थान सिकंदराबाद चेन्नई से आए गुरु भक्त परिवार के अतिथियों ने इस पुस्तक का विमोचन किया इस अवसर पर संपत राज्य कोठारी प्रकाश चंद जी सिंह जी हनुमान मल जी कोठारी ललित जी कांकरिया कपूर चंद चौरडिया कैलाश जी चौरडिया मनीष कुमार कांकरिया मदनलाल पुष्पेंद्र चौरडिया सुरेश जी मुथा ज्ञानचंद सिंघवी किशन लाल जी नाहर गौतम चंद जी गुगलिया सहित गणमान्य अतिथि इस आयोजन का हिस्सा बने। आचार्य सम्राट परम पूज्य आनंद ऋषि जी महाराज की प्रेरणा से स्थापित एवं संचालित श्री तिलोक रन स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड के अंतर्गत अखिल भारतीय वर्धमान स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ अहमदनगर एवं श्रमण संघ दुर्ग के बैनर तले 18 दिसंबर से 22 दिसंबर तक पांच दिवसीय स्वाध्याय शिविर का आयोजन दुर्ग नगर में होने जा रहा है जिसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग चार सो से पांच लोग इस आयोजन में शामिल होने आ रहे हैं वरिष्ठ स्वाध्याय श्री निर्मल जी छाजेड़ बडनेरा निवासी एवं नीलम जी बाफना के कुशल निर्देशन में यह भव्य आयोजन दुर्ग नगर में होने जा रहा है।

दीक्षार्थी कल्पेश का अभिनंदन किया गया : वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक श्रमण संघ दुर्ग ने आयोजित धर्म सभा में 14 वर्षीय बालक कल्पेश कुमार का शाल श्रीफल एवं अभिनंदन पत्र के साथ स्वागत अभिनंदन किया इस अवसर पर धर्मचंद लोढ़ा, पारसमल संचेती प्रवीण श्री श्रीमाल उत्तम भंडारी, निर्मल बाफना टीकम छाजेड़ राकेश संचेती सहित वरिष्ठ सदस्यों ने दीक्षार्थी कल्पेश का स्वागत अभिनंदन किया।

परसवानी पुल में बाहर निकली सरिया, कभी भी हो सकती है गंभीर दुर्घटना

पुल के सड़क के जॉइंट में कहीं गड्ढे तो कहीं उभार, सड़क पर निकल आई है नुकीली गिट्टी

राजिम (विश्व परिवार)। राजिम परसवानी चौबेबांधा पुल से आवागमन करने वाले राहगीर डरे हुए हैं। उनके भयभीत होने का मुख्य कारण पुल के जॉइंट पर निकले छड़ हैं। उल्लेखनीय है कि इस पुल से होकर धमतरी, गरियाबंद और रायपुर जिला के हजारों राहगीर प्रतिदिन आवागमन करते हैं। बताना होगा कि राजिम परसवानी पुल चौबेबांधा में पैरी, सोंढूर नदी पर बना हुआ है। सन् 2005 में मुख्यमंत्री रहे डॉ. रमन सिंह ने इनका लोकार्पण किया था। पुल को स्वीकृति दिलाने में संत कवि पवन दीवान ने बहुत मेहनत किया था उन्होंने अपने संसदीय कार्यकाल में नाबार्ड से रुपए स्वीकृत कराकर पुल के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। पंडित श्यामाचरण शुक्ल अविभाजित मध्य प्रदेश में 3 महीने के मुख्यमंत्री बने थे तब उन्होंने इनका भूमि पूजन किया था। 19 साल के यह पुल रखरखाव के अभाव में दिन-ब-दिन जर्जर होते जा रहे हैं। परंतु जिम्मेदार विभाग की अनदेखी का खामियाजा आम राहगीरों को उठाना पड़ रहा है। इस तरह से रोड निकलना और लोगों को परेशानी से जूझना कोई नई बात नहीं है। बताया जाता है कि आज से 3 महीना पहले और छड़ निकला हुआ था जिन्हें सीमेंट डालकर ढक दिया गया था। सीमेंट डालने के बाद उसमें पानी भी नहीं डाला गया। कुछ ही दिन यह ठहरे उसके बाद फिर से ढाक के तीन पात वाली कहावत चरितार्थ हो गई। अब दिनों दिन इनका आकार बढ़ रहा है यही स्थिति रही तो कभी भी कोई गंभीर दुर्घटना घट सकती है। इन्हें लेकर राहगीर बहुत चिंतित है।

उच्च स्तरीय पुल के सड़क में नुकीली गिट्टी : जानना जरूरी है कि साढ़े चार करोड़ की लागत में पुल का निर्माण शुरू हुआ। उस समय छत्तीसगढ़ राज्य अलग नहीं हुए थे जब यह बनकर तैयार हुआ तब मध्यप्रदेश से अलग राज्य मिला। बताया जाता है कि धमतरी पीडब्ल्यूडी विभाग के देखरेख में इन्हें छोड़ दिया गया था लेकिन अब राजिम पीडब्ल्यूडी विभाग के अंडर में है। यहां से चंद किलोमीटर की दूरी पर इनका उपसंभागीय कार्यालय राजिम में मौजूद है। 500 मीटर लंबी पुल पर गिट्टी और डामर कुछ साल पहले बिछाई गई थी। डामर उखड़ चुकी है गिट्टी भी धीरे-धीरे करके निकल रहे हैं अब यह नुकीली गिट्टी पैदल चलने वालों के पांव में चुभ रहे हैं। परसों दो राहगीर बिना चप्पल के ही पुल पार कर रहे थे उनके पांव में गिट्टी ऐसा चूभा कि उनको अस्पताल जाना पड़ा। तब उन्हें राहत मिली। खास बात यह है कि इसमें जितने स्तंभ बनाए गए हैं उतनी जॉइंट है और इन जॉइंट में कहीं पर गड्ढे हैं तो कहीं पर उभार अघोषित स्पीड ब्रेकर बन गए हैं। अन्य पुल की भांति इसे पार करने में गाड़ी को स्लो करना पड़ता है धोखे से भी रफ्तार को तेज किया तो कभी भी गिर सकते हैं।

स्कूली विद्यार्थी करते हैं आना-जाना : जिला के स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थी बड़ी संख्या में इसी मार्ग का उपयोग कर आना जाना करते हैं। बताना होगा कि राजिम और नयापारा दोनों शहर बिल्कुल लगा हुआ है इस लिहाज से लोग 24 घंटे छोटे बड़े कामों के लिए आवागमन करते रहते हैं। अल सुबह से ही राहगीरों की लाइन लग जाती है। सुबह शहरों में काम करने वाले लोग साइकिल एवं मोटरसाइकिल में ज्यादा संख्या में अपने गंतव्य स्तर तक पहुंचाते हैं।

साफ सफाई का अभाव : साफ सफाई का अभाव देखा गया है वहां उपस्थित रामलाल, धर्मेंद्र, रामकुमार ने बताया कि पुल की साफ सफाई हर वर्ष मेला के समय होता था पिछले साल तो सफाई का नाम ही नहीं था। वर्तमान में भी बड़ी मात्रा में रेत, गिट्टी, ईंट के टुकड़े इत्यादि पड़े हुए हैं। सुरक्षा घेरा के पाइप लाइन को भी कई जगह से काट कर ले गए हैं। वैसे यह पुल भगवान भरोसे ही है। बताना होगा कि अभी दिवाली के समय से वजनी रेत हाईवा बंद है। धमतरी जिला से होकर प्रतिदिन सैकड़ो वजनी हाईवा चलती है जिसके कारण भी लोग डरे हुए हैं।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शुक्रवार 08 नवंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

बोलेरो से भिड़े बाइक चालक, दो की मौत

गरियाबंद(विश्व परिवार)। नेशनल हाईवे पर बोलेरो से टकराकर बाइक चालक समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच में जुटी. यह घटना नेशनल हाइवे 130 सी में देवभोग थाना क्षेत्र के डोहेल ग्राम के पास की है. देवभोग से जा रही बोलेरा वाहन से मूडागांव की ओर से आ रही बाइक की सीधी टक्कर हो गई. टक्कर इतना जबरदस्त था कि बाइक चालक व सवार 20 मीटर दूर फेंका गए. हादसे में बाइक के परखच्चे उड़ गए. वहीं बोलेरा का सामने का हिस्सा उखड़ गया है. हादसे में बाइक चालक भवनों मांझी उम्र 35 साल व सवार दुलार मांझी उम्र 50 वर्ष की मौके पर मौत हो गई. दोनों आपस में ममेरा भाई हैं, जो निजी काम से रात्रि लगभग मुड़ागांव से देवभोग की ओर आ रहे थे. बोलेरो खोखमा ग्राम का है, जो सराईपानी से आए मरीज को लेकर वापस लौट रही थी. हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया है. दुर्घटना की सूचना ग्रामीणों ने एम्बुलेंस 108 को दिया. मौके से दोनों को अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने बाइक सवार और चालक को मृत घोषित कर दिया।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आम लोगों की समस्या

बालोद(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने मंगलवार 05 सितम्बर को संयुक्त जिला कार्यालय के जनदर्शन कक्ष में आयोजित जनदर्शन में पहुँचे लोगों से मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तलब कर जनदर्शन में पहुँचे लोगों के समस्याओं के समुचित निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम बरबसपुर निवासी श्रीमती नामिन, उषा साहू, अन्नपूर्णा साहू, ओम कुमारी, रोशनी सहित स्वसहायता समुह के महिलाओं के अलावा गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम देवगहन के श्री लोकेन्द्र साहू सहित जनदर्शन में जिले के विभिन्न स्थानों से पहुँचे लोगों ने अपने मांगों एवं समस्याओं के निराकरण के संबंध में अपना आवेदन प्रस्तुत किया। श्री चन्द्रवाल ने जनदर्शन में पहुँचे लोगों से बारी-बारी से मुलाकात कर मांगों एवं समस्याओं को पूरी गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

दिव्यांग छात्रों को कृत्रिम हाथ व पैर किए वितरित

सुकमा(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के 24वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सुकमा जिले में उत्सवपूर्ण वातावरण में भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री चौतराम अटामी विधायक दंतेवाडा, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री धनीराम बारसे सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण ने दिव्यांग छात्रों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार संसाधन और सुविधाएं प्रदान की गईं। अतिथियों ने दिव्यांग छात्रों को कृत्रिम हाथ व पैर वितरित किए गए। कृत्रिम अंग प्राप्त करने पर लाभान्वित छात्रों सोड़ी राधा, माड़वी सोना, कलमू भूपेन्द्र, गीता पोड़ियामी, सोमारू कवासी, कलमू माड़ा, कलमू महेश, मड़कामी भूनेश, सोड़ी भीमे, सोड़ी मासे ने हर्ष जताया और दैनिक दिनचर्या में सहूलियत मिलने की बात कही। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का भी आयोजन किया गया, जिसमें जिले के दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने छत्तीसगढ़ी देशभक्ति गीतों के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। कुमारी सोड़ी बीड़े, रघुनाथ नाग, दीपक बघेल, कुमारी राधा और रामप्रसाद बघेल ने अपनी प्रस्तुति से आयोजन को विशेष बना दिया।

पुलिस की अवैध कबाड़ियों पर लगातार कार्यवाही जारी

मुंगेली(विश्व परिवार)। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री भोजराम पटेल,अति0पुलिस अधीक्षक श्री पंकज पटेल,अति0पुलिस अधीक्षक श्री विवेक शुक्ला,अति0पुलिस अधीक्षक सुश्री नवनीत छाबड़ा के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी पुलिस श्री एस0एस0आर0 घृतलहरे के मार्गदर्शन में थाना मुंगेली क्षेत्र में चल रहे अवैध कबाडी दुकानो की लगातार निगरानी किया जा रहा है कि दिनांक 05.11.2024 मुखबीर की सूचना के आधार पर विजय निषाद पिता पुत्री राम निषाद उम्र 30 वर्ष साकिन सुभाष वार्ड मुंगेली थाना सिटी कोतवाली मुंगेली के ग्राम कामता रेहुंटा तिराहा के घर बाड़ी में जाकर चेक करने पर एक पुराना मो0सा0 किमती 10,000 रूपये, ट्रांस्फार्मर का कटे-फटे सामान, लोहे का एंगल, छड, सटर, ऑटो पार्ट्स का सामान, लोहा एवं अन्य कबाड़ी सामान कुल अनुमानित वजनीय 8-9 क्विंटल जुमला अनुमानित किमती 28,000 रूपये एवं 40 नग इस्तेमाली टायर अनुमानित किमती 3,500 रूपये कुल जुमला किमती 41,500 रूपये को गवाहों के समक्ष जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। एवं धारा 106 (1) बी.एन.एस.एस के अन्तर्गत इस्तगाशा कायम कर जांच में लिया गया है।

शासन प्रदेश की संस्कृति और विरासत को बनाये रखने प्रयासरत्: सांसद देवेंद्र प्रताप

नारायणपुर(विश्व परिवार)। प्रदेश के राज्यसभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य में आज स्थानीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान में गरिमामयी ढंग से शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर उन्होंने जिलेवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश बीते 24 वर्षों में निरंतर प्रगति के पथ पर बढ़ रहा है। विगत 10 माह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के शासन में प्रदेश वासियों को नई योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है। वहीं राज्य शासन प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान और विरासत को बनाये रखने, सहेजने और संवर्धन करने में प्रयासरत है। कार्यक्रम के दौरान स्कूली छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि 01 नवम्बर 2000 को छत्तीसगढ़ अलग राज्य बना। तब से लेकर अब तक 24 साल पूरे हो गए हैं। आज छत्तीसगढ़ विकास की नई ऊंचाईयों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। प्रदेश में हम सभी को मुख्यमंत्री के रूप में विष्णु देव साय का क्षमतावान नेतृत्व मिला है। केवल 10 माह के कार्यकाल में इस सरकार ने जो उपलब्धियां हासिल की है। हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के बताए अंत्योदय के मार्ग पर चलने वाले लोग हैं। इसका अर्थ है कि विकास की रोशनी को समाज के सबसे अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता स्वर्गीय अटल जी की भी यही सोच थी। इसी सपने को लेकर उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया था। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली हमारी सरकार इसी सोच के अनुरूप राज्य के सभी वर्गों के विकास के लिए काम कर रही है, लेकिन हमारी सरकार की प्राथमिकता में वे लोग हैं जो आज भी अपने अधिकारों से वंचित हैं। हम राज्य के पुरातन संस्कृति को संरक्षित करते हुए समाज में उन संस्कारों को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं, जिससे राष्ट्र की एकजुटता बढ़ती है। हमारी सरकार प्रदेश के किसानों, आदिवासियों, मजदूरों, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिलाओं और युवाओं के कल्याण के लिए प्राथमिकता के साथ काम कर रही है। विधानसभा चुनाव के दौरान यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने राज्य के लोगों को जो गारंटियां दी थी, उससे ही यह स्पष्ट था कि हमारी सरकार की दिशा और प्राथमिकताएं क्या होगी। साय जी की सरकार ने मात्र 10 महीनों के अल्प समय में मोदी जी अधिकांश गारंटियों को पूरा कर दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली हमारी सरकार इसी सोच के अनुरूप राज्य के सभी वर्गों के विकास के लिए काम कर रही है, लेकिन हमारी सरकार की प्राथमिकता में वे लोग हैं जो आज भी अपने अधिकारों से वंचित हैं। हम राज्य के पुरातन संस्कृति को संरक्षित करते हुए समाज में उन संस्कारों को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं, जिससे राष्ट्र की एकजुटता बढ़ती है। प्रदेश सरकार प्रदेश के किसानों, आदिवासियों, मजदूरों, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिलाओं और युवाओं के कल्याण के लिए प्राथमिकता के साथ काम कर रही है।

निर्धारित समायवधि में सुनिश्चित करें शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन - कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल

ग्राम हुच्चेटोला के ग्रामीणों के आय को दुगुना करने हेतु किए जा रहे उपायों की समीक्षा की

बालोद(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित समयावधि में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिससे कि आम जनता को शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके। श्री चन्द्रवाल आज संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में उपस्थित अधिकारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए हैं। बैठक में श्री चन्द्रवाल ने जिले के अंतिम छोर पर स्थित डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के सुदूर वनांचल के ग्राम हुच्चेटोला के ग्रामीणों के आय को दुगुना करने हेतु किए जा रहे उपायों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड विजिट कर एवं अपने-अपने विभागों में संचालित योजनाओं से हुच्चेटोला के ग्रामीणों को लाभान्वित कर वहाँ निवासरत प्रत्येक परिवारों के आय को दुगुना करने हेतु पुख्ता उपाय सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे, अपर कलेक्टर श्री अजय किशोर लकरा एवं श्री डीआर ठाकुर एवं संयुक्त कलेक्टर श्रीमती पूजा बंसल सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में श्री चन्द्रवाल ने विभिन्न विभागों के द्वारा ग्राम हुच्चेटोला में ग्रामीणों के आय को दुगुना करने हेतु किए जा रहे उपायों की विस्तृत समीक्षा की। इसके अंतर्गत उन्होंने पशुपालन विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए चयनित हितग्राहियों को मुर्गीपालन हेतु शीघ्र चुजे प्रदान कराने के निर्देश दिए। इसी तरह उन्होंने कौशल विकास योजना अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली तथा हुच्चेटोला के चयनित हितग्राहियों को सिलाई-कढ़ाई एवं मशरूम उत्पादन करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान कराने को कहा। कलेक्टर ने ग्राम हुच्चेटोला में पेयजल निस्तारी हेतु पानी की समुचित उपलब्धता की जानकारी देते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता से गांव में हैण्ड पंप की स्थिति के संबंध में जानकारी ली। बैठक में सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग के द्वारा विभिन्न विभागों के द्वारा ग्राम हुच्चेटोला में ग्रामीणों के आय को दुगुना करने हेतु किए जा रहे कार्यों के संबंध में प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत किया गया। श्री चन्द्रवाल ने जिले में सड़क दुर्घटना के रोकथाम हेतु किए जा रहे उपायों की समीक्षा करते हुए जिला परिवहन अधिकारी को इसके लिए समुचित उपाय सुनिश्चित करने को कहा। इसके लिए उन्होंने जन जागरूकता अभियान चलाने तथा नियमित रूप से शिविर आदि लगाकर आम जनता को सड़क सुरक्षा के उपायों की जानकारी देने को कहा।

राज्योत्सव मे धान, हर्बल गुलाल और आधुनिक कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी

सुकमा(विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय स्थित मिनी स्टेडियम सुकमा में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र, सुकमा द्वारा स्टाल लगाया गया, जिसमें विभिन्न प्रकार की प्रदर्शनी जैसे देशी धान की प्रजातियां स्वसहायता की महिला समूह द्वारा हर्बल गुलाल देशी सब्जियों की प्रजातियों व मानवचलित एवं इंजिनचालित छोटे यंत्रों व उपकरणों की प्रदर्शनी का अवलोकन मुख्य अतिथि श्री चौतराम अटामी, माननीय विधायक, दंतेवाड़ा भाजपा जिला अध्यक्ष सुकमा श्री धनी राम बारसे, राज्य महिला आयोग सदस्य सुश्री दिपीका सोरी , श्री हुंगाराम मरकाम एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ जिले के किसानों, महिलाओं व स्कूली बच्चों द्वारा किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र ने राज्योत्सव के अवसर पर अपने स्टाल में कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा सुकमा जिले की 20 देशी धान की किस्में का जो विलुप्त होने के कगार पर है उनका संग्रहण कर प्रदर्शन किया गया। सुकमा जिले के आदिवासी महिला समूह की महिलाएं कृषि विज्ञान केन्द सुकमा में पालक, लाल भाजी. चुकंदर, हल्दी, संतरा, गेंदा व पलाश से हर्बल गुलाल बना रही है। हर्बल गुलाल की बाजार में मांग बढती जा रही, जिससे महिलाओं की इससे अच्छी आमदनी हो रही है इसका प्रदर्शन किया। इसके साथ ही जिले में कृषि यंत्रों की क्षेत्रीय उपयोगिता के दृष्टिगत विभिन्न नवीनतम मानवचलित एवं इंजिनचालित छोटे यत्रो व उपकरणों की प्रदर्शनी लगाया जिससे जिले के किसान काफी प्रभावित हुए।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने पीएम सूर्यघर योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए दिए निर्देश

कोण्डागांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने समय-सीमा की बैठक में बस्तर ओलंपिक के जिला व विकासखण्ड स्तरीय आयोजन की तैयारियों के संबंध में विस्तृत जानकारी ली और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार बस्तर ओलंपिक का भव्य आयोजन किया जाना है। इस दौरान किसी भी प्रकार की चूक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को स्वास्थ्य व सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम के साथ भोजन, पेयजल और परिवहन सहित सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।कलेक्टर दुदावत ने बुधवार को आयोजित समय सीमा की बैठक में प्रधानमंत्री सूर्यघर- मुफ्त बिजली योजना के बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश देते हुए कहा कि केन्द्र शासन की यह महत्वाकांक्षी योजना हैं। इस योजना से हितग्राहियों को मुफ्त बिजली मिलेगी, साथ ही खपत से अधिक बिजली उत्पादन पर अतिरिक्त आय भी प्राप्त कर सकेंगे। इस योजना अंतर्गत प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करें साथ ही इसके लिए ऋण स्वीकृति के प्रकरण के निराकरण में भी तेजी लाएं। गिरदावरी सत्यापन के कार्य में अच्छी प्रगति आई है और सत्यापन हेतु शेष कार्य को भी सभी जिला स्तरीय अधिकारी इस कार्य को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराने में सहयोग करें। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों की समीक्षा करते हुए नये स्वीकृत कार्यों के लिए पंजीयन में तेजी लाने और स्वीकृत आवास के निर्माण कार्य में प्रगति लाने हेतु सभी जनपद सीईओ को निर्देशित किया।

कलेक्टर ने किया संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण

स्वास्थ्य, शिक्षा और बैंकिंग सुविधाओं में सुधार के निर्देश

सुकमा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव ने बुधवार को विकाखण्ड कोंटा के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर स्वास्थ्य, शिक्षा और बैंकिंग सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक सुधार और कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आकाश राव, एसडीएम कोंटा श्री शबाब खान सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर श्री ध्रुव ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंटा का निरीक्षण करते हुए अनुपयोगी सामान को तुरंत रिप्लेस करने और मेंटल काउंसलर, गायनोलॉजिस्ट, पीडियाट्रिशियन, और एक्स-रे टेक्निशियन की नियुक्ति करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था सुधारने, डोम शेड का निर्माण करने, और ऑपरेशन थिएटर (ओटी) को फंक्शनल बनाने के निर्देश भी दिए। पानी की समस्या का समाधान करने के साथ-साथ स्व सहायता समूह के लंबित भुगतान का निराकरण करने को कहा। कलेक्टर ने मरीजों को पानी उबालकर पीने की सलाह दी और शिशु सुरक्षा किट की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, अतिरिक्त कक्ष निर्माण शीघ्र पूरा करने को कहा। कलेक्टर ने संवेदनशील क्षेत्र प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास भेज्जी का दौरा करते हुए बच्चों को बेडशीट, चादर जैसी आवश्यक सुविधाएं समय-समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। छात्रावास में शौचालय का निर्माण शीघ्र पूर्ण करने और नवीन निर्माणाधीन बालक छात्रावास का गुणवत्तापूर्वक निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने उप स्वास्थ्य केंद्र गोरखा का निरीक्षण करते हुए वहां स्टाफ की आवश्यकता को पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही, केंद्र में पंजीयन को नियमित एट्री करने को कहा ताकि मरीजों को बेहतर सेवाएं मिल सकें। कोंटा स्थित सहकारी बैंक मर्यादित का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर श्री ध्रुव ने बैंक डेटा को शीघ्र अपडेट करने के निर्देश दिए, जिससे किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और बैंकिंग सेवाओं में सुधार आए।

शासन की योजनाओं से बस्तर क्षेत्र विकास के पथ पर हो रहा अग्रसर : विधायक

सांस्कृतिक संध्या में लोक कलाकारों एवं स्कूली छात्र-छात्राओं की मनमोहक प्रस्तुतियों से झूमे दर्शक

कोंडागांव(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 25वां राज्योत्सव समारोह का गरिमामय ढंग से शुभारंभ हुआ, जिसमें केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विभागीय उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। साथ ही सांस्कृतिक संध्या में लोक कलाकारों और स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा छत्तीसगढ़ की पारंपरिक नृत्यों पर आधारित मनमोहक प्रस्तुति दी गई। मंगलवार को स्थानीय विकास नगर स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह स्थल में सबसे पहले विधायक टेकाम ने रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा जिल को प्राप्त एम्बुलेंस वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके पश्चात उन्होंने विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने प्रदर्शनी की जानकारी ली और विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को सामग्री का वितरण भी किया। स्थानीय विकास नगर स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक टेकाम ने जिले के सभी नागरिकों को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी को नमन किया और जिले के नागरिकों को राज्योत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य बनने से पहले यहां के नागरिकों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता था। लेकिन राज्य बनने के बाद सभी परेशानियों से आजादी मिली। इन 25 सालों में छत्तीसगढ़ राज्य बहुत तरक्की की है। छत्तीसगढ़ राज्य प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है, लेकिन पिछले कई वर्षों से नक्सलवाद की समस्या से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने वर्ष 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से मुक्त करने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा भी नक्सलवाद उन्मूलन के लिए कई योजनाएं शुरू की गई है और इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री साय ने सरकार बनते ही राज्य के नागरिकों को पक्का आवास दिलाने का निर्णय लिया और 18 लाख आवास की स्वीकृति दी। जल जीवन मिशन से घर पर ही स्वच्छ पेयजल मिलने से महिलाओं को बहुत राहत मिली है। महतारी वंदन योजना से महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। किसानों के कल्याण के लिए भी शासन द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही है, जिससे हमारे किसान भाई निरंतर प्रगति करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि धमतरी जगदलपुर फोरलेन की स्वीकृति, भारत माला प्रोजेक्ट और जिले में मक्का प्रसंस्करण ईकाई सहित बस्तर क्षेत्र को कई सौंगातें मिल रही है, जिससे कोण्डागांव जिले के साथ पूरा बस्तर क्षेत्र विकास के पथ पर अग्रसर होगा।

www.vishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@yahoo.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर शुक्रवार 08 नवंबर 2024

व्यापार समाचार

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव के बीच हरे निशान में खुला भारतीय शेयर बाजार सेंसेक्स 300 से ज्यादा अंक चढ़ा

मुंबई(एजेंसी)। अमेरिका में हो रहे राष्ट्रपति चुनाव के बीच भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हरे निशान में खुला। शुरुआती कारोबार में रियल्टी, मीडिया, एनर्जी, प्राइवेट बैंक और इंफ्रा जैसे सेक्टर में खरीदारी हो रही है। बीएसई का सेंसेक्स 367.63 अंक या 0.46 प्रतिशत चढ़ने के बाद 79,844.26 पर कारोबार कर रहा है। वहीं, एनएसई का निफ्टी 95.30 अंक या 0.39 प्रतिशत चढ़ने के बाद 24,308.60 पर कारोबार कर रहा है। बाजार का रुझान सकारात्मक बना हुआ है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 1,820 शेयर हरे, जबकि 449 शेयर लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं। निफ्टी बैंक 82.50 अंक या 0.16 प्रतिशत चढ़ने के बाद के 52,289.75 पर है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 474.45 अंक या 0.85 प्रतिशत चढ़ने के बाद 56,589.90 स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 148.25 अंक या 0.80 प्रतिशत चढ़ने के बाद 18,651.70 पर है। सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, मारुति, सन फार्मा और एक्सिस बैंक टॉप गेनर्स रहे। वहीं, टाइटन, टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा मोटर्स और एसबीआई टॉप लूजर्स रहे। बाजार के जानकारों के अनुसार, निफ्टी और बैंक निफ्टी में हाल ही में विकल्पों की स्थिति से पता चलता है कि व्यापारियों की भावना सकारात्मक हो गई है। निकट अवधि का प्रतिरोध 24,420 - 24,542 क्षेत्र के अंदर है, जबकि प्रमुख और महत्वपूर्ण समर्थन क्रमश: 24,074 और 23,780 पर हैं। एशियाई बाजारों की बात करें तो जकार्ता, शंघाई और टोक्यो के बाजार हरे निशान पर कारोबार कर रहे हैं। जबकि सोल, बैंकॉक और हांगकांग के बाजार लाल निशान पर बने हुए हैं। वहीं, चुनाव के बीच अमेरिकी शेयर बाजार बीते कारोबारी दिन हरे निशान पर बंद हुए थे। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 5 नवंबर को 2,569 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने उसी दिन 3,030 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी खरीदी।

टेक्सटाइल में चीन सहित दूसरे देशों को मात देगा उत्तर प्रदेश

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर बनाने के प्रयासों में एमएसएमई सेक्टर मजबूत साझेदारी निभा रहा है। सीएम योगी के विजन के अनुरूप प्रदेश को टेक्सटाइल हब बनाने के लिए 11 नए निजी टेक्सटाइल पार्क गोरखपुर, मऊ, भदोही, अलीगढ़, बागपत और शामली आदि जिलों में बनाए जाएंगे। इससे चीन सहित अन्य देशों या दूसरे प्रदेशों से यूपी को रॉ-मटेरियल आदि नहीं मंगाने पड़ेंगे। प्रदेश में पहली बार एमएसएमई विभाग की ओर से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टेक्सटाइल सेक्टर को मजबूत करने के लिए विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। इसी के तहत शामली जिले में 726 करोड़ की लागत से प्रदेश का पहला निजी टेक्सटाइल पार्क स्थापित किया जाएगा। इससे दूसरे देशों या प्रदेशों से रॉ-मटेरियल नहीं मंगाना पड़ेगा, स्किल डेवलपमेंट से लेकर विभिन्न सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। प्रमुख सचिव हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग आलोक कुमार ने बताया कि प्रदेश में 11 निजी टेक्सटाइल पार्क की स्थापना से रॉ-मटेरियल से लेकर विभिन्न वस्त्र आदि बनाए जाएंगे। इससे किसी अन्य प्रदेश या चीन आदि देशों से रॉ-मटेरियल मंगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इसके अलावा लखनऊ में सरकार की ओर से एक हजार एकड़ भूमि में पीएम मित्र पार्क की भी स्थापना की जा रही है। उत्तर प्रदेश वस्त्र एवं गारमेंटिंग नीति-2022 के तहत प्रमुख सचिव हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग आलोक कुमार की अध्यक्षता में शासकीय स्वीकृति समिति की बैठक में निजी टेक्सटाइल पार्क के विकास के लिए आयनेक्स टेक्सटाइल पार्क प्राइवेट लिमिटेड सैद्धान्तिक (एलओसी) स्वीकृति दी गई। पार्क के निवेशकर्ता द्वारा करीब 126.61 करोड़ रुपये की लागत से आवश्यक अवस्थापना सुविधाओं को विकसित किया जाएगा। पार्क अगले साल दिसंबर तक क्रियाशील होगा, जिसमें 600 करोड़ रुपये का निवेश और 5,000 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। प्रस्तावित पार्क शामली के कैराना तहसील के गांव झिंझाना में 26.75 एकड़ भूमि पर बनेगा, जिसमें वीविंग, डाइंग, प्रिंटिंग और गारमेंट की इकाइयों सहित कुल 17 इकाइयां लगेंगी। पार्क में प्रशासनिक भवन, बैंक/एटीएम, प्रशिक्षण एवं परीक्षण केंद्र, विश्राम गृह, कैंटीन, फर्स्ट एड सेंटर जैसी सामान्य सुविधाओं के साथ-साथ डामर सड़क नेटवर्क (स्ट्रीट लाइटिंग के साथ), जल आपूर्ति प्रणाली, सीवरेज सिस्टम, वर्षा जल निकासी प्रणाली, सीवेज उपचार संयंत्र, जीरो लिक्विड डिस्चार्ज, संयुक्त अपशिष्ट उपचार संयंत्र (सीईटीपी) बॉयलर, जल और भाप वितरण प्रणाली, विद्युत वितरण प्रणाली एवं वेट ब्रिज जैसी सामान्य बुनियादी सुविधाएं भी होंगी।

सोने-चांदी की कीमतों में आई भारी गिरावट

नई दिल्ली(एजेंसी)। सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को भारी गिरावट देखी गई है। घरेलू और वैश्विक दोनों ही बाजारों में पीले धातु की चमक फीकी पड़ी है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर 5 दिसंबर 2024 की डिलीवरी वाला सोना 0.24त्न या 186 रुपये गिरकर 78,321 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। चांदी की कीमतों में और भी ज्यादा गिरावट देखने को मिली है। 5 दिसंबर 2024 की डिलीवरी वाली चांदी 1.55त्न या 1468 रुपये गिरकर 93,180 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है। कॉमेक्स पर सोने का भाव 0.11त्न या 2.90 डॉलर गिरकर 2746.80 डॉलर प्रति औंस पर और गोल्ड स्पॉट 0.34त्न या 9.32 डॉलर गिरकर 2734.67 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। कॉमेक्स पर चांदी 1.75त्न या 0.57 डॉलर गिरकर 32.20 डॉलर प्रति औंस पर और चांदी स्पॉट 1.71त्न या 0.56 डॉलर गिरकर 32.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। सोने-चांदी में निवेश करने वाले निवेशकों को इस गिरावट का ध्यान रखना चाहिए। हालांकि, लंबे समय में सोना और चांदी एक सुरक्षित निवेश विकल्प माने जाते हैं।

पाक के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए जोश इंग्लिश बने ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान

नईदिल्ली(एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिश को पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ आगामी टी-20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का अंतरिम टी-20 कप्तान बनाया गया है।यह फैसला मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड की अनुपलब्धता के कारण लिया गया है। टी-20 की अपनी जिम्मेदारियों के अलावा इंग्लिश पर्थ में होने वाले तीसरे वनडे में भी कप्तानी करेंगे, जिसमें पैट कमिंस, स्टीव स्मिथ और जोश हेजलवुड नहीं खेलेंगे।पूरी खबर पर नजर डालते हैं। इंग्लिश क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया के 14वें होंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (ष्ट्र) द्वारा चयनकर्ताओं की सिफारिश को मंजूरी दिए जाने के बाद वह वनडे में ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व करने वाले 30वें कप्तान होंगे।नियमित टी-20 कप्तान मार्श और उपकप्तान हेड, जिन्होंने पिछले महीने इंग्लैंड में 1 मैच के दौरान मार्श की जगह ली थी।वह पितृत्व अवकाश और टेस्ट की तैयारी के कारण सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे के लिए कमिंस, स्मिथ, हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और मार्नस लाबुशेन सहित कई प्रमुख खिलाड़ी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए अनुपस्थित रहेंगे।उनकी अनुपस्थिति में जेवियर बार्टलेट, स्पेंसर जॉनसन और जोश फिलिप को पर्थ वनडे के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया गया है।लांस मॉरिस भी टीम के साथ रहेंगे, जो पहले वनडे में हेजलवुड की जगह टीम का हिस्सा थे। पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की टी-20 टीमः सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, जोश इंग्लिश (कप्तान), स्पेंसर जॉनसन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस और एडम जैम्पा।पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच 14 नवंबर को ब्रिसबेन में पहला टी-20 मैच खेला जाएगा। इसके बाद 16 नवंबर को दूसरा टी-20 मैच सिडनी में और तीसरा टी-20 मैच 18 नवंबर को होबार्ट में खेला जाएगा।

आजीवन कप्तानी का प्रतिबंध हटने के बाद डेविड वार्नर बनाए गए इस टीम के कप्तान

नईदिल्ली(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेविड वार्नर पर लगे आजीवन कप्तानी का प्रतिबंध कुछ दिन पहले हटाया गया था।अब यह खिलाड़ी बिग बैश लीग में सिडनी थंडर टीम का कप्तान बनाया गया है। वार्नर क्रिस ग्रीन की जगह लेंगे।3 सदस्यीय स्वतंत्र पैनल के समक्ष उन्होंने अपनी कप्तानी का मामला रखा था। इस पैनल ने प्रतिबंध को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया था।ऐसे में आइए पूरी खबर पर नजर डालते हैं।

कप्तान बनाए जाने के बाद वार्नर ने कहा, इस सीजन फिर से थंडर की कप्तानी करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं शुरू से ही टीम का हिस्सा था और अब अपने नाम के आगे कप्तान के साथ वापस आना शानदार लगता है। मैं आगे बढ़कर नेतृत्व करने और आने वाली युवा प्रतिभाओं के साथ अपना अनुभव साझा करने के लिए उत्सुक हूं। मैं ग्रीन के नेतृत्व की सराहना करता हूं। वह शानदार नेतृत्व क्षमता वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। सिडनी थंडर की पूरी टीमः डेविड वार्नर (कप्तान), वेस अगर, कैमरन बैनक्रॉफ्ट, सैम बिलिंग्स, ओलिवर डेविस, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट गिलक्स, क्रिस ग्रीन, लियाम हैचर, सैम कोन्स्टास, निक मैडिन्सन, नाथन मैकएंड्रू, शेरफेन रदरफोर्ड, विलियम साल्जमैन, डैनियल सैम्स, जेसन संघा और तनवीर संघा।पिछले सीजन टीम कुछ खास नहीं कर पाई थी और अंक तालिका में आखिरी स्थान पर रही थी। इस टूर्नामेंट का आगाज 15 दिसंबर से होने वाला है। थंडर अपना पहला मैच 17 दिसंबर को खेलेगी।

3 आईपीएल टीमों के टारगेट पर होंगे जेम्स एंडरसन इस खास वजह से लगेगी उनपर बड़ी बोली

नईदिल्ली(एजेंसी)। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में 1575 खिलाड़ी हिस्सा लेने वाले हैं, जिसमें इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का नाम भी शामिल है. 42 साल का ये गेंदबाज इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुका है, लेकिन इस बार उसने आईपीएल में खेलने का मन बनाया है. एंडरसन पर नीलामी में बड़ी बोली लग सकती है, क्योंकि उनके पास स्किल के साथ-साथ बेशुमार अनुभव है, जिसका कोई भी टीम फायदा उठाना चाहेगी. अगर आप चेन्नई सुपर किंग्स का इतिहास उठाकर देखें, तो मालूम चलेगा कि ये फ्रेंचाइजी हमेशा ही अनुभवी खिलाड़ियों पर दांव खेलती है. ऐसे में सीएसके

अनुभव के धनी जेम्स एंडरसन को भी खरीदकर अपने साथ जोड़ सकती है. यदि एंडरसन उनकी टीम में आते हैं, तो जाहिर तौर पर पेस अटैक को तो मजबूती मिलेगी ही साथ ही स्क्वाड में शामिल युवा गेंदबाजों को उनसे काफी कुछ सीखने का मौका मिलेगा. कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम भी जेम्स एंडरसन को स्क्वाड में शामिल कर सकती है. एंडरसन के पास इंटरनेशनल क्रिकेट का भरपूर अनुभव है, जिसका इस्तेमाल केकेआर अपने युवाओं को निखारने के लिए कर सकती है. यदि केकेआर एंडरसन को खरीददती है, तो ना केवल उनके अनुभव का फायदा होगा बल्कि उनके वैरिएशन से बल्लेबाज परेशान हो सकते हैं. दिल्ली कैपिटल्स की टीम वैसे तो युवाओं से सजी टीम रही है, लेकिन वह जेम्स एंडरसन को खरीद सकती है. एंडरसन किसी भी टीम में जाकर उस टीम के लिए मेंटॉर की तरह युवाओं को निखार सकते हैं. एंडरसन एक बेहतरीन पेसर रहे हैं, जिनका अनुभव टीम के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है.

एआई के दौर में एनवीडिया एप्पल को पछाड़कर दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी बनी

सैन फ्रांसिस्को(एजेंसी)। दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी बनने के मामले में ग्राफिक्स चिप निर्माता एनवीडिया ने मार्केट वैल्यू के आधार पर एप्पल को पीछे छोड़ दिया है। एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के इस दौर में एनवीडिया का बाजार मूल्य 3.43 ट्रिलियन डॉलर हो गया है, जो एप्पल के 3.38 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा है। एनवीडिया के सीईओ जेन्सन हुआंग के नेतृत्व में कंपनी ने पहली बार जून में एप्पल को पछाड़ा था, लेकिन तब यह केवल एक दिन के लिए था। मंगलवार को कंपनी के शेयरों में 2.9 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जिससे इसका मार्केट कैप 3.43 ट्रिलियन डॉलर हो गया। अब एनवीडिया एसएंडपी 500 इंडेक्स का 7 प्रतिशत हिस्सा है। माइक्रोसॉफ्ट का मार्केट कैप वर्तमान में 3.06 ट्रिलियन डॉलर है। एनवीडिया ने 28 जुलाई को समाप्त दूसरी तिमाही में 30 बिलियन डॉलर की आय दर्ज की, जो पिछली तिमाही से 15 प्रतिशत और पिछले साल से 122 प्रतिशत अधिक है। हुआंग ने बताया कि उनकी हॉपर चिप्स की मांग बनी हुई है और आगामी ब्लैकवेल चिप्स को लेकर भी काफी उत्साह है। उन्होंने कहा कि डेटा सेंटर में एआई और तेज कंप्यूटिंग तकनीक के लिए बड़े स्तर पर अपग्रेड हो रहे हैं, जिसके चलते कंपनी की कमाई रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही के दौरान, चिप निर्माता ने शेयरधारकों को 15.4 बिलियन डॉलर वापस किए, जो शेयरों की पुनर्खरीद और नकद लाभांश के रूप में था। दूसरी तिमाही के अंत तक, कंपनी के पास शेयर पुनर्खरीद के लिए 7.5 बिलियन डॉलर बचे हैं। हुआंग ने एसके हाइनिक्स से कहा है कि वे अपने अगली पीढ़ी के हाई-स्पीड मेमोरी चिप्स को निर्धारित समय से छह महीने पहले तैयार कर दें। ऐसा इसलिए क्योंकि एआई कंप्यूटिंग चिप्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। एनवीडिया के एआई एक्सेलेरेटर्स (जो एआई तकनीक को आगे बढ़ाने के लिए बहुत सारे डेटा पर काम करते हैं) की मांग काफी बढ़ गई है।

अकासा एयर को पिछले वित्त वर्ष में 1,670 करोड़ रुपये का घाटा

नई दिल्ली(एजेंसी)। अकासा एयर का घाटा पिछले वित्त वर्ष में बढ़कर 1,670.06 करोड़ रुपये रहा है। हालांकि कंपनी की कुल आमदनी इस दौरान बढ़कर 3,144.38 करोड़ रुपये रही है। कारोबार आसूचना मंच टॉफलर को मिले आंकड़ों के अनुसार, लगभग दो साल से परिचालन कर रही एयरलाइन का शुद्ध घाटा वित्त वर्ष 2022-23 में 744.53 करोड़ रुपये रहा था। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी के बेड़े में 24 विमान थे। इस दौरान कंपनी ने प्रतिदिन 110 से ज्यादा उड़ानें संचालित कीं। अकासा एयर की मूल कंपनी एसएनवी एविएशन प्राइवेट लिमिटेड ने कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय को दी सूचना में कहा, एकल आधार पर कंपनी की कुल आमदनी पिछले वित्त वर्ष में 3,144.38 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 777.84 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 4,814.44 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 1,522.27 करोड़ रुपये था।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में साल-दर-साल 58% की वृद्धि के साथ 674 करोड़ रुपये का त्रैमासिक राजस्व दर्ज किया

नईदिल्ली। आज एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने मजबूत विकास दर के साथ 30 सितंबर 2024 को समाप्त हुई दूसरी तिमाही के लिए अपने कंसोलिडेटेड रिज़ल्ट्स जारी किए। बैंक का त्रैमासिक राजस्व बढ़कर 674 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल की तुलना में साल-दर-साल 58 प्रतिशत और पिछली तिमाही के मुक़ाबले 10 प्रतिशत ज्यादा है। बैंक का शुद्ध लाभ साल-दर-साल 45 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 11.2 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में EBITDA साल-दर-साल 87 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 76.1 करोड़ रुपये रहा। एयरटेल पेमेंट्स बैंक के मासिक लेन-देन करने वाले उपयोगकर्ता (एमटीयू) साल-दर-साल 76 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 102 मिलियन हो गए। वार्षिक सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) 40 बिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गया, जिससे बैंक के डिजिटल बचत खातों और अन्य उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता प्रदर्शित होती है। कस्टमर बैलेंस साल-दर-साल 43 प्रतिशत बढ़कर 2,950 करोड़ रुपये को पार कर गया। इस वृद्धि का कारण ग्राहकों द्वारा एयरटेल पेमेंट्स बैंक की डिजिटल सेवाओं को स्वीकार किया जाना है। दैनिक लेनदेन के लिए एयरटेल पेमेंट्स बैंक के डिजिटल सुरक्षित खाते को चुनने वाले ग्राहकों की संख्या बढ़ रही है। यह बैंक शहरी सीमा में प्रमुख दिग्गज के रूप में उभरा है तथा गाँवों में अपनी मजबूत स्थिति बरकरार रखे हुए है। एयरटेल पेमेंट्स बैंक के एमडी और सीईओ अनुब्रत बिस्वास ने कहा, इन नतीजों से डिजिटल बैंकिंग के क्षेत्र में मुख्य कंपनी के रूप में हमारी स्थिति प्रदर्शित होती है। हमारे डिजिटल समाधानों और सुरक्षा विशेषताओं को ग्राहकों द्वारा तेजी से अपनाए जाने के साथ हम सुरक्षित दूसरे खाते के लिए भारत में पहली पसंद बन गए हैं। इस वृद्धि से पेमेंट्स बैंक मॉडल की शक्ति प्रदर्शित होती है, जो वित्तीय समावेशन लाने और भारतीयों की बढ़ती डिजिटल जरूरतों को पूरा करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का प्रमाण है। एयरटेल पेमेंट्स बैंक तीन मुख्य ग्राहक वर्गों को सेवाएं देता है: शहरी डिजिटल, अंडरबैंक्ड और उद्योग एवं संस्थान। यह बैंक बीमा, ऋण और निवेश सेवाओं के साथ विस्तृत डिजिटल बैंकिंग समाधान प्रदान करता है। बैंक द्वारा हर साल 8 बिलियन से अधिक लेनदेन संभव बनाए जाते हैं। यह बैंक भारत में अग्रणी मोबाइल बैंकिंग प्रदाताओं में पांचवें स्थान पर है। एयरटेल पेमेंट्स बैंक अपने 500,000 से अधिक नजदीकी बैंकिंग पॉइंट्स के साथ भारत के गाँवों और सबसे दूरदराज के इलाकों में भी अपनी सेवाएँ पहुंचाता है। यह बैंक देश की सबसे बड़ी माइक्रो-कैश कंपनी है, जो 4,000 से अधिक कॉर्पोरेट ग्राहकों के साथ साझेदारी द्वारा हर महीने 8,000 करोड़ के डिजिटल लेनदेन कर रहा है।

नेटफ्लिक्स की सिकंदर का मुकद्दर का काउंटडाउन हुआ शुरू

नेटफ्लिक्स का क्राईम ड्रामा सिकंदर का मुकद्दर सभी का इंतजार खत्म करते हुए 29 नवंबर को प्रसारित होने वाला है। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित इस फिल्म में जिमी शेरगिल, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, और राजीव मेहता मुख्य भूमिकाएं निभा रहे हैं। इस फिल्म में पांडे ने अपने सिग्नेचर स्टाईल में नेटफ्लिक्स के दर्शकों के लिए कहानी को बहुत दिलचस्प बना दिया है। सिकंदर का मुकद्दर में एक चोरी, एक पुलिस अधिकारी के इंस्टिंक्ट्स, और 15 साल तक पीछा करने की रोचक कहानी एक रोमांचक अनुभव प्रदान करेगी। इससे पहले नीरज पांडे ने नेटफ्लिक्स के साथ खाकी:बिहार चैप्टर के लिए काम किया थ। इस क्राईम और पीछा करने की कहानी के साथ उन्होंने नेटफ्लिक्स पर अपनी वापसी की है। तो तैयार हो जाईये, 29 नवंबर को केवल नेटफ्लिक्स पर यह रोमांचक कहानी देखने के लिए।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शुक्रवार 08 नवम्बर 2024

रबी मौसम में 19.25 लाख हेक्टेयर रकबे में बोनी का लक्ष्य

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर रबि फसलों को बढावा देने के लिए इस वर्ष 19.25 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न रबि फसलों की बोनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके विरुद्ध अब तक 2.16 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं, चना, मटर, मक्का, अलसी सहित विभिन्न रबि फसलों की बोनी हो चुकी हैं, वहीं 0.14 लाख क्विंटल बीज और 0.35 लाख मीट्रिक टन रासायनिक खाद का वितरण किया जा चुका है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर वर्ष 2024-25 में रबि फसलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

जैनाचार्य विमर्शसागर जी के 26वें संयमोत्सव वर्ष पर विशेष पोस्टल आवरण जारी

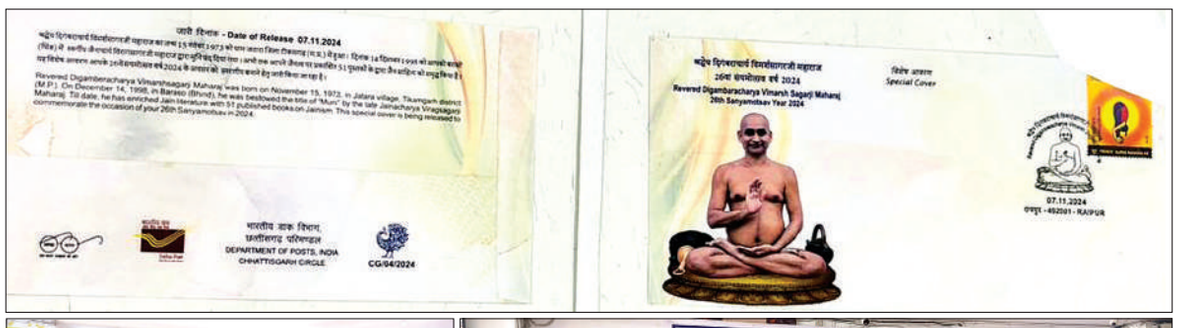

रायपुर (विश्व परिवार)। जैन साहित्य को अपने 51 महत्वपूर्ण ग्रंथो से समृद्ध करने वाले जैन दिगंबर आचार्य श्री विमर्शसागर पर उनके 26 वें संयमोत्सव वर्ष के उपलक्ष में भारतीय डाक विभाग के द्वारा आज मुख्य डाकघर रायपुर से उन पर एक विशेष आवरण जारी किया गया।

आवरण के अनावरण समारोह में मुख्य अतिथि प्रदीप जैन संपादक दैनिक विश्व परिवार, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पंकज, डाक विभाग के एस.एस.पी. हरिश महावर, कार्यक्रम अध्यक्ष पंडित अजित शास्त्री तथा संयोजक कैलाश रारा सहित अनेक गणमान्य लोगो की उपस्थिति रही।

विशेष अतिथि प्रदीप जैन ने मुनि श्री की रचना 'जीवन है पानी की बूंद' को भौतिक जगत की नश्वरता का दिग्दर्शन बतलाया तो विशिष्ट अतिथि गिरीश पंकज ने महान जैन धर्म को योग प्रधान धर्म बतलाया। संयोजक कैलाश रारा ने मुनि श्री को अभिक्षण ज्ञानोपयोगी संत तो अध्यक्ष अजित शास्त्री ने आचार्य श्री को विद्वत शिरोमणि बतलाया।

कार्यक्रम में डाक विभाग के डी.पी.एस. दिनेश मिस्त्री, सहायक निदेशक द्वय सौरभ अंसारी एवं आलोक गुमास्ता तथा मनीष अग्रवाल व मैडम गुलनाज नसरीन तथा जैन समाज के नरेश जैन, अरविंद बड़जात्या, नरेश पाटोदी, भरत जैन, राकेश गोधा, ललित रांवका, मनीष पाटनी, निर्मल छाबड़ा, प्रदीप गंगवाल, राजेश रज्जन एवं सुभाष वेद इंदौर की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कार्यक्रम में मंच का संचालन ममता जैन के द्वारा किया गया। **-कैलाश रारा**

एनटीपीसी का 50वां स्थापना दिवस नया रायपुर में उत्साहपूर्वक मनाया गया

मुख्य अतिथि पी.के. मिश्रा ने फहराया एनटीपीसी ध्वज

रायपुर (विश्व परिवार)। एनटीपीसी का 50वां स्थापना दिवस 07 नवंबर, 2024 को नया रायपुर में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर मुख्य अतिथि, श्री पी.के. मिश्रा, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (डब्ल्यूआर-II, यूएसएससी और ऐश एनआई) ने एनटीपीसी ध्वज फहराया, जिसके बाद एनटीपीसी गीत सभी ने गाया।

कर्मचारियों को संबोधित करते हुए, श्री मिश्रा ने पिछले 49 वर्षों के दौरान एनटीपीसी के गौरवशाली इतिहास और देश के विकास में इसके योगदान पर प्रकाश डाला। एनटीपीसी भारत की सबसे बड़ी विद्युत कंपनी के रूप में उभरी है, जिसका दृष्टिकोण भारत के विकास को ऊर्जा प्रदान करते हुए विश्व की अग्रणी विद्युत कंपनी बनना है। आज, 76 गीगावॉट से अधिक की स्थापित क्षमता और थर्मल, हाइड्रो, सोलर और पवन ऊर्जा संयंत्रों के विविध पोर्टफोलियो के साथ, एनटीपीसी राष्ट्र को विश्वसनीय, सस्ती और टिकाऊ बिजली प्रदान करने के लिए समर्पित है।

कंपनी हरित भविष्य के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने, नवाचार को बढ़ावा देने और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अक्षय ऊर्जा और नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ एनटीपीसी की नई पहलों और उपलब्धियों पर भी बात की। अपने भाषण में, मुख्य अतिथि ने ऑपरेशन सेवाओं, वाणिज्यिक, एकीकृत साझा सेवा केंद्र (यूएसएससी), स्टेशन इंजीनियरिंग, कॉर्पोरेट ऑपरेशन सेवाओं, ऐश न्यू पहल आदि के क्षेत्र में उपलब्धि पर भी बात की।

श्री मिश्रा ने पश्चिमी क्षेत्र-II में एनटीपीसी पावर प्लांट्स (कोरबा, सीपत, लारा, गाडरवारा और खरगोन) के प्रदर्शन के अलावा अवसरों और चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने पर्यावरण को समृद्ध करने के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, राख उपयोग और फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) जैसी पहलों पर भी बात की। उन्होंने एनटीपीसी नवा रायपुर के साथ-साथ पश्चिमी क्षेत्र-II के पावर स्टेशनों द्वारा ग्रीन टाउनशिप, स्क्रैप डिस्पोजल, सुरक्षा, सीएसआर और अन्य पहलों के क्षेत्र में किए गए प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने एनटीपीसी नवा रायपुर के साथ-साथ पश्चिमी क्षेत्र-II के पावर स्टेशनों द्वारा ग्रीन टाउनशिप, स्क्रैप डिस्पोजल, सुरक्षा, सीएसआर और अन्य पहलों के क्षेत्र में किए गए प्रयासों पर भी प्रकाश डाला।

इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों ने केक काटा और गुब्बारा छोड़ा। साथ ही, अर्पिता महिला समिति द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। बाद में, सभी एनटीपीसी सीएमडी के संबोधन के लाइव टेलीकास्ट में शामिल हुए। श्री यू एच गोखे, कार्यकारी निदेशक (यूएसएससी); श्री एस के घोष, कार्यकारी निदेशक (प्रचालन सेवाएं); अर्पिता महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती आयशा मिश्रा और अन्य पदाधिकारी; एनटीपीसी के अधिकारी और उनके परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भगवान सहस्त्रबाहु जयंती के अवसर पर विभिन्न खेलो का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी क्षत्रिय वंश के प्रणेता राज राजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु जयंती के अवसर पर दिनांक 08.11.2024 दिन शुक्रवार को रायपुर कॉवेंट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जनता कॉलोनी गुढ़ियारी, न्यू राजेन्द्र नगर, अमलीडीह रोड, शिवानंद नगर एवं सी.बी.एस.ई. मान्यता प्राप्त विद्यालय केंट इंटरनेशनल स्कूल ग्राम झीट में वार्षिक क्रीड़ा उत्सव का आयोजन किया गया हैं। भगवान सहस्त्रबाहु का साम्राज्य पूरे भारत वर्ष में एवं विदेशों में रहा। समस्त पिछड़ी जाती के अराध्यदेव कार्त्तवीर्याजुन ने अपनी आराधना से भगवान दत्तात्रेय को प्रसन्न किया था। भगवान दत्तात्रेय ने युद्ध के समय सहस्त्रार्जुन को हजार हाथो का बल प्राप्त करने का वरदान दिया था। इस कारण उनका नाम सहस्त्रार्जुन पड़ा। श्री सहस्त्रार्जुन सात द्वीपो सहित साम्राज्य के चक्रवर्ती अधिपति थे। जो भी प्राप्त काल श्री सहस्त्रार्जुन का नाम लेता हैं उसकी सम्पदा कभी नष्ट नहीं होती तथा नष्ट हुआ धन पुनः प्राप्त हो जाता हैं। भगवान सहस्त्राबाहु की पूजा विद्यालय में प्रातः 10.00 बजे की जायेगी इसके पश्चात् तीन मशाल (शक्ति, एकता व विकास) प्रज्वलित की जायेगी।

इस अवसर पर विद्यालय में छात्र-छात्राओं के शारीरिक, मानसिकता एवं बौद्धिक विकास हेतु विभिन्न प्रकार की क्रीड़ा प्रतियोगिताएं कक्षावार आयोजित की जायेगी। जैसे- गोला फेंक, तवा फेंक, व्यंजन प्रतियोगिता, रंगोली पुष्प सज्जा, सुलेख, सलाद, फैंसी ड्रेस, कबड्डी इत्यादि का आयोजन किया गया हैं। इस प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय विजेता को पुरस्कृत किया जायेगा।

हाईकोर्ट ने अवैध रेत उत्खनन पर जताई कड़ी नाराजगी, खनिज विभाग से मांगा जवाब

बिलासपुर (आरएनएस)। हाईकोर्ट ने बिलासपुर में अवैध रेत उत्खनन के मामले को गंभीर माना है. कोर्ट ने अरपा नदी में हो रहे अवैध उत्खनन पर कड़ी नाराजगी भी जाहिर की है. रेत के अवैध उत्खनन को लेकर लगी याचिका पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफजस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डबल बैंच में बुधवार को सुनवाई हुई. इस दौरान मुख्य न्यायाधीश ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि कैसे पर्यावरण का संरक्षण हो पाएगा जब पर्यावरण की धज्जियां उड़ाई जा रही है.

उन्होंने कहा की विभाग आंखें बंद कर बैठा हुआ है. वहीं इस मामले में खनिज विभाग के सचिव से शपथपत्र में जवाब भी तलब किया है. उन्होंने बेहद स्पष्ट और सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि शपथ पत्र में यह स्पष्ट करें कि अवैध उत्खनन से व्यक्तिगत कार्रवाई और संबंधित व्यक्ति पर जुर्माना की क्या कार्रवाई की गई है?

दरअसल, अरपा अर्पण महा अभियान समिति और अन्य याचिका पर लगातार सुनवाई चल रही है. अरपा अर्पण महाअभियान के वकील अंकित पांडे ने 1 जनवरी 2024 से लेकर 7 सितंबर 2024 तक की खबर का कवरिंग मेमो डीबी के सामने पेश किया. वहीं चीफ जस्टिस की डबल बेंच ने भी लोखंडी में अवैध उत्खनन की खबर पर संज्ञान लिया. इस मामले में अगली सुनवाई 9 दिसंबर को होगी।

संक्षिप्त समाचार

प्रेस क्लब में निः शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन आज

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रेस क्लब एवं श्रीधर औषधालय व पंचकर्म केन्द्र रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 08.11.2024 को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन रायपुर प्रेस क्लब, स्व. मधुकर खेर स्मृति भवन, मोतीबाग में किया गया है। शिविर में डॉ. अभिषेक शर्मा, एमडी, पंचकर्म, बैंगलोर, डॉ. गुलशन कुमार सिन्हा, आयुर्वेद चिकित्सक द्वारा जोड़ों का दर्द, घुटना दर्द, कमर दर्द, गठिया वात, पंचकर्म संबंधी समस्त परामर्श एवं नाड़ी परिक्षण किया जाएगा। शिविर में निःशुल्क आयुर्वेदिक दवाईयों का वितरण भी किया जाएगा। रायपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर, महासचिव डॉ. वैभव शिव पाण्डेय, उपाध्यक्ष संदीप शुक्ला, कोषाध्यक्ष रमन हलवाई, संयुक्त सचिव तृप्ति सोनी, अरविंद सोनवानी ने सभी सदस्यों से परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में इस शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

मुख्यमंत्री साय ने भारतरत्न लालकृष्ण आडवाणी को जन्मदिन की दी बधाई

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री भारतरत्न श्री लालकृष्ण आडवाणी को उनके जन्मदिन 8 नवंबर के अवसर पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने देश के लिए श्री आडवाणी जी के योगदान को याद करते हुए कहा है कि आडवाणी जी सशक्त तथा समृद्ध भारत की संकल्पना का अटूट समर्थन करने वाले व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने उपप्रधानमंत्री के पद पर आसीन रहते हुए देश को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।भारतीय संसद में सांसद के रूप में अपनी भूमिका के उत्कृष्ट निर्वहन के लिए उन्हें उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आडवाणी जी ने श्री राममन्दिर आन्दोलन को आगे बढ़ाया और सोमनाथ से अयोध्या के लिए रथयात्रा निकाली।

मानव को प्रकृति से जोड़ने का पर्व है सूर्य आराधना छठ पूजन : सीएम विष्णुदेव साय

खारुन नदी तट पर छठी मैया की मंगल आरती में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज शाम यहां राजधानी रायपुर के महादेव घाट पर आयोजित छठ महापर्व कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सभी को छठ पर्व की शुभकामनाएं दी और कहा कि सूर्य आराधना छठ पूजन मानव को प्रकृति से जोड़ने का पर्व है। मुख्यमंत्री श्री साय खारुन नदी तट पर छठी मैया की मंगल आरती में भी शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन छठ पर्व आयोजन समिति महादेव घाट द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छठ महापर्व के इस कार्यक्रम में आकर मैं स्वयं को बहुत सौभाग्यशाली अनुभव कर रहा हूँ। इस भव्य आयोजन के लिए मैं आयोजन समिति को बहुत बहुत बधाई देता हूँ। छठ महापर्व की प्रतीक्षा उपासक वर्ष भर करते हैं। इस महापर्व पर दूर-दूर से लोग चाहे कहीं भी रह कर काम कर रहे हों, वे छठ पूजा में शामिल होने पहुंचते हैं। सरकार के द्वारा भी छठ पर विशेष रेल आदि परिवहन की व्यवस्था की जाती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सूर्य भगवान की उपासना के इस पर्व में कठिन व्रत रखा जाता है। हमारी माताएं-बहनें निर्जला उपवास रखती हैं। छठ महापर्व हमें प्रकृति से भी जोड़ता है। नदी, तालाब आदि जल-स्त्रोत के करीब घाटों पर छठ की पूजा होती है, इस तरह इस पर्व में हम प्रकृति के समीप पहुंचते हैं। छठ पर्व पर हमें नदी और तालाब जैसे हमारे जल-स्त्रोतों के भी संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लेना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं आज दिवंगत गायिका श्रीमती शारदा सिन्हा को भी श्रद्धांजलि देना चाहूंगा। उनके छठ गीतों को हमारी पूरी पीढ़ी ने सुना है। मैं छठी मैया और सूर्य भगवान से सभी छत्तीसगढ़ वासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करता हूँ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि जिन पंचमहाभूतों से हमारे शरीर का निर्माण हुआ है उनकी पूजा इस पर्व में होती है। छठ महापर्व ऐसा पर्व है जिसमें उगते सूर्य के साथ अस्त होते सूर्य को भी अर्घ्य दिया जाता है। सभी के ऊपर छठी माई की कृपा बनी रहे।

सभी दूसरों पर अपनी मान्यता थोपना चाहते हैं, यही मान कषाय विवाद का कारण : विराग जी

दादाबाड़ी में विशेष प्रवचन श्रृंखला, श्री विराग मुनि समझा रहे कषायों से मुक्त के उपाय

रायपुर (विश्व परिवार)। सभी दूसरों पर अपनी मान्यता थोपना चाहते हैं। सबको लगता है कि वह सही है। दूसरे गलत हैं। दुनिया का कल्याण करने से पहले अपना कल्याण करिए। आत्मा की शुद्धि के लिए पुरुषार्थ करिए। एमजी रोड स्थित श्री दादाबाड़ी में जारी विशेष प्रवचन श्रृंखला में गुरुवार को श्री विराग मुनि ने ये बातें कही।

उन्होंने कहा, अपनी जड़ों से कटते हुए हम कहां आ पहुंचे हैं! भारत में विद्या कभी बेची नहीं जाती थी। किसी को अन्न देना या इलाज मुहैया कराना भी सेवा की तरह देखा जाता था। आज ये तीनों ही सबसे महंगे कारोबार हैं। कषायों के बारे मं बताते हुए उन्होंने कहा, इसमें पहला स्थान मान का है। जहां व्यक्ति के मन में मान आ जाता है, वहां क्रोध खुद आ जाता है। एक कंडीशन समझिए। आप बहुत गुस्से में हैं। कोई छोटा बच्चा आपको क्रोध करने से टोकेगा, तो आप शांत होंगे या और ज्यादा गुस्सा करेंगे? 99 प्रतिशत लोग और भड़क उठेंगे। इसके पीछे का कारण मान है। व्यक्ति को लगता है कि यह बच्चा मुझे समझाएगा। ये मान-अपमान का भाव ही व्यक्ति की दुर्गति का कारण बनता है। मान से बचना है तो दृष्टिकोण हमेशा सकारात्मक बनाए रखें। अगर बुरा समय आए तो किसी को दोष न दें। ये आपके अपने कर्मों के परिणाम हैं। दूसरों पर क्रोध करके सबसे ज्यादा नुकसान आप अपना ही करते हैं। क्रोध करने वालों को दूसरे तो बुरे लग जाते हैं पर कभी क्रोध बुरा नहीं लगता। क्रोध करने वाले लोग इस जन्म में दुखी रहते ही हैं, अगले कई भव तक भी उनकी आत्मा दुख पाती है।

आज संत भी ऐसे जो भगवान छोड़कर लोगों को अपना भक्त बनाने में लगे हैं : मुनिश्री ने कहा कि आज समय इतना खराब आ गया है कि जन मानस तो जन मानस, संत समाज में भी विकृतियां आ गई हैं। कई संत ऐसे भी हैं जो भगवान की भक्ति छोड़कर लोगों को अपना भक्त बनाने में लगे हैं। सब दूसरों पर अपनी मान्यता थोपना चाहते हैं। सब एक-दूसरे के दुष्प्रचार में लगे हैं। इन्हीं वजहों से समाज में अशांति बढ़ती जा रही है। एक बात सभी को समझनी होगी कि दूसरे क्या करते हैं, इसका आपके मोक्ष पर डायरेक्टर-इन डायरेक्टर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। फिर समाजसुधार का बीड़ा उठाकर दूसरों को सही रास्ते पर चलाने का जिम्मा आपने क्यों उठा लिया है? पहले आत्मसुधार पर ध्यान दें।

पागलों के बीच पागल बनकर रहो वरना बाहर निकाल दिए जाओगे : मुनिश्री ने कहा कि पागलों के बीच पागल बनकर रहने में समझदारी है। भीतर से खुद को जागृत रखना भी उतना ही जरूरी है। मतलब दूसरे गलत कर रहे हैं तो आपको उन्हें टोकने या समझाने की जरूरत नहीं है। खुद में सुधार लाइए। आसपास का माहौल अपने आप सुधर जाएगा। जो लोग आत्माहत्या के बारे में सोचते हैं, वैसे लोगों के बारे में मुनिश्री ने कहा कि मरने से कुछ नहीं होगा। जीते जी जो बची-खुची संभावनाएं हैं, वो भी आपके मरने से मर जाएंगी। पुरुषार्थ पर भरोसा करिए। जरूरी नहीं कि जीवन में कठिन परिस्थियां तभी आएं जब आप गलत हों। कई बार पूर्व जन्मों के कर्म उदय में आने पर भी व्यक्ति की दुर्गति होती है। कर्म किए हैं, तो भोगना भी पड़ेगा। कर्मों की निर्जरा कर आत्मा को जन्म-मरण के बंधन से सदा के लिए मुक्त कर दीजिए।

चातुर्मास की विनती लेकर पहुंचा राजनांदगांव का संघ : आत्मस्पर्शीय चातुर्मास समिति के अध्यक्ष पारस पारख, महासचिव नरेश बुरड़ और कोषाध्यक्ष अनिल दुग्गड़ ने बताया कि गुरुवार को धर्मसभा में राजनांदगांव से संघ पहुंचा था। संघ ने पाट पर विराजित गुरुदेव से विनती की है कि अगले चातुर्मास का लाभ ले राजनांदगांव को दें।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने तकनीकी प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

रायपुर (विश्व परिवार)। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी 8 नवम्बर से रायपुर में आयोजित भारतीय सड़क कांग्रेस के 83वें वार्षिक अधिवेशन का शुभारंभ करेंगे। रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर में 8 नवम्बर से 11 नवम्बर तक इसका आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव भी 8 नवम्बर को शाम साढ़े चार बजे आयोजित अधिवेशन के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होंगे। चार दिनों तक चलने वाले भारतीय सड़क कांग्रेस के अधिवेशन में सड़क निर्माण और सड़क सुरक्षा से जुड़े देशभर के दो हजार से अधिक विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, अभियंता और अधिकारी शामिल होंगे। अधिवेशन के शुभारंभ कार्यक्रम में सड़क निर्माण तकनीक और सामग्री से संबंधित तीन गाइडलाइन्स और एक मैनुअल भी जारी किए जाएंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज शाम साइंस कॉलेज परिसर में भारतीय सड़क कांग्रेस के 83वें वार्षिक अधिवेशन के तहत आयोजित तकनीकी प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदर्शनी का भ्रमण कर सड़क निर्माण, सड़क सुरक्षा, निर्माण सामग्री और सड़कों के रखरखाव से जुड़ी मशीनरी व उपकरणों की निर्माता तथा आपूर्तिकर्ता कंपनियों के प्रतिनिधियों से इनकी जानकारी ली। विभिन्न कंपनियों द्वारा यहां लगाए गए स्टॉल्स मंर सड़क निर्माण से संबंधित तकनीकी मटेरियल्स, डिजाइन, टेक्नोलॉजी इत्यादि का प्रदर्शन आगामी चार दिनों तक किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने आज आयोजन स्थल पर प्रेस-कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बताया कि भारतीय सड़क कांग्रेस (इंडस्ट्र) सड़क एवं सेतु निर्माण से संबंधित मानक एवं गाइडलाइन्स निर्धारित करने वाली देश की सर्वोच्च संस्था है। आईआरसी में भारत सरकार, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, एन.एच.ए.आई.डी.सी.एल., बी.आर.ओ., मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विसेस, एन.आर. आई.डी.ए., ग्रामीण विकास मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय, सभी राज्यों के लोक निर्माण विभाग आदि शामिल हैं।

उप मुख्यमंत्री साव ने प्रेस-कॉन्फ्रेंस में बताया कि आईआरसी का मुख्य उद्देश्य सड़क निर्माण, सेतु निर्माण एवं यातायात से संबंधित मानकों का निर्धारण करना तथा निर्माण संबंधी गाइडलाइन्स एवं मैन्युअल तैयार करना, समय-समय पर उनका पुनरीक्षण करना, देश-विदेश में आ रही सड़क निर्माण की नई तकनीकों एवं सामग्रियों का अध्ययन कर देश में लागू करने के लिए मानक तैयार करना है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354